Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 160
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00

शुक्रवार ,09 जनवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर ने .. | 4 सर्फ 2000 रुपये में शुरू करें अपना खुद का | 8 सारा अर्जुन बनीं सबसे लोकप्रिय स्टार

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर पीएम मोदी ने असंख्य सपूतों को किया स्मरण

देशवासियों से की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि बृहस्पतिवार से शुरू होने वाला सोमनाथ स्वाभिमान पर्व भारत माता के उन असंख्य सपूतों को स्मरण करने का पर्व है, जिन्होंने कभी अपने सिद्धांतों और मूल्यों से समझौता नहीं किया। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जय सोमनाथ! सोमनाथ स्वाभिमान पर्व की आज से शुरूआत हो रही है। एक हजार वर्ष पूर्व, जनवरी 1026 में सोमनाथ मंदिर ने अपने इतिहास का पहला आक्रमण झेला था। साल 1026 का आक्रमण और उसके बाद हुए अनेक हमले भी हमारी शाश्वत आस्था को डिगा नहीं सके। बल्कि इनसे भारत की सांस्कृतिक एकता की भावना और सशक्त हुई और सोमनाथ का बार-बार पुनरोद्धार होता रहा। प्रधानमंत्री 11 जनवरी को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में शामिल होंगे। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने सोमनाथ की अपनी पिछली यात्राओं की कुछ तस्वीरों को सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा किया। उन्होंने देशवासियों से भी अपील की कि अगर वे भी सोमनाथ गए हैं, तो अपनी तस्वीरें हैशटैग सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के साथ जरूर साझा करें। मोदी ने कहा, सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का यह अवसर, भारत माता के उन असंख्य सपूतों को स्मरण करने का पर्व है, जिन्होंने कभी अपने सिद्धांतों और मूल्यों से समझौता नहीं किया। समय कितना ही कठिन और भयावह क्यों ना रहा हो, उनका संकल्प हमेशा अडिग रहा। उन्होंने कहा, मैं 31 अक्टूबर 2001 को सोमनाथ में आयोजित एक कार्यक्रम की कुछ झलकियां भी साझा कर रहा हूं। यह वह साल था, जब हमने 1951 में पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन के 50 वर्ष पूर्ण होने का उत्सव मनाया था। 1951 में यह ऐतिहासिक समारोह तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी की मौजूदगी में संपन्न हुआ था।मोदी ने कहा, सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण में सरदार पटेल और केएम मुंशी के साथ ही कई महान विभूतियों के प्रयास अत्यंत उल्लेखनीय रहे हैं। वर्ष 2001 के इस कार्यक्रम में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल जी (अटल बिहारी वाजपेयी) और गृह मंत्री आडवाणी जी (लालकृष्ण आडवाणी) और कई गणमान्य लोग शामिल हुए थे। प्रधानमंत्री ने कहा, वर्ष 2026 में हम 1951 में हुए भव्य समारोह के 75 वर्ष पूर्ण होने का भी स्मरण कर रहे हैं!

अंकिता भंडारी के माता-पिता से मिले धामी ,बेटी को न्याय दिलाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता:धामी

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड पुलिस ने 2022 के अंकिता भंडारी हत्याकांड से जुड़े एक ऑडियो क्लिप को लेकर उठे विवाद के मद्देनजर पूर्व भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक सुरेश राठौर की पत्नी अभिनेत्री उर्मिला सनावर से पूछताछ की है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अजय सिंह ने एएनआई को बताया कि पुलिस ने उर्मिला सनावर के बयान दर्ज कर लिए हैं, जिन्होंने अंकिता भंडारी हत्याकांड में एक वीआईपी का नाम लेकर सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी थी।एसएसपी ने बताया कि देहरादून के नेहरू कॉलोनी और दलनवाला पुलिस स्टेशनों में उर्मिला के खिलाफ दर्ज मामलों में पुलिस ने उनसे पूछताछ की है और उनके बयान दर्ज किए हैं। उन्होंने आगे बताया कि उर्मिला द्वारा खुद सोशल मीडिया पर वायरल किए गए वीडियो के अलावा पुलिस को अभी तक कोई अन्य सबूत नहीं मिला है। एसएसपी ने यह भी बताया कि जांच अधिकारियों ने उर्मिला के बयानों की ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग भी कर ली है। सनावर के खिलाफ देहरादून और हरिद्वार के कई पुलिस स्टेशनों में विभिन्न धाराओं के तहत कई मामले दर्ज हैं। पुलिस ने इससे पहले उर्मिला सनावर को पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया था। शिरोमणि गुरु रविदास विश्व महापीठ के अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने बहादराबाद पुलिस स्टेशन में उर्मिला सनावर और सुरेश राठौर के खिलाफ भाजपा नेता की छवि खराब करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है।

होटल के कमरे में किया यौन उत्पीड़न,नाबालिग शूटर ने नेशनल कोच पर लगाया आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने निशानेबाजी कोचिंग स्टाफ के एक प्रमुख सदस्य अंकुश भारद्वाज को निलंबित कर दिया है क्योंकि एक नाबालिग निशानेबाज ने उन पर पिछले महीने राष्ट्रीय चौंपियनशिप के दौरान यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। एनआरएआई ने पुष्टि की है कि फरीदाबाद में भारद्वाज के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई है। मोहाली निवासी भारद्वाज पर पॉस्को अधिनियम की धारा छह (गंभीर यौन उत्पीड़न) और भारतीय न्याय संहिता की धारा 351(2) (धमकी देने से संबंधित) के तहत मामला दर्ज किया गया है। एनआरएआई के सचिव राजीव भाटिया ने एक न्यूज एजेंसी को बताया, एनआरएआई ने उन्हें निलंबित कर दिया है और हम उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करेंगे। उन्होंने कहा, उन्हें नैतिक आधार पर निलंबित किया गया है। अब उन्हें खुद को निर्दोष साबित करना होगा। जांच पूरी होने तक वह किसी भी तरह की कोचिंग गतिविधि से नहीं जुड़े रहेंगे। भाटिया ने कहा कि एनआरएआई ने 2024 में पेरिस ओलंपिक के बाद 37 सदस्यीय कोचिंग टीम में भारद्वाज को स्थान देने की सिफारिश की थी।

सीएम ने लगाया जनता दर्शन, एक-एक कर सुनी 150 लोगों की फरियाद

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने इस दौरान कहा कि हर व्यक्ति की समस्या का समाधान सरकार का संकल्प है। योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पूरी तत्परता और संवेदनशीलता से यह सुनिश्चित करें कि बिना भेदभाव सबको न्याय मिले। उन्होंने कहा कि हर पात्र को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था हो, जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। मुख्यमंत्री योगी ने जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए कई लोगों से कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज के लिए तुरंत धन उपलब्ध कराए।

सुप्रीम कोर्ट में कुत्तों के लिए माइक्रोचिपिंग का सुझाव

वकील ने कहा- ये महंगा नहीं पड़ेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में आवारा कुत्तों के मामले में फिर से सुनवाई शुरू हो गई है। जस्टिस विक्रमनाथ ,जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच सुनवाई कर रही है। कुत्तों पर सुनवाई के दौरान आज भी दिलचस्प दलीलें सामने आईं। वरिष्ठ वकील सीयू सिंह ने कहा कि जब कुत्तों को अचानक हटाया जाता है तो चूहों की आबादी बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि वो तो बीमारी फैलाने वाले होते हैं। उन्होंने दावा किया कि कुत्ते संतुलन बनाए रखते हैं।कोर्ट इस मामले में सभी पक्षकारों- डाग लवर्स, कुत्तो काटने के शिकार लोगों , एनिमल राइट एक्टिविस्ट की ओर से पेश वकीलो की दलीलें विस्तार से सुन रहा है।एडवोकेट नकुल दीवान ने सुप्रीम कोर्ट को ट्रैप, न्यूटर और रिलीज मॉडल का सुझाव

दिया। उन्होंने कहा कि कुत्तों के स्वभाव को देखते हुए यह जरूरी है कि उन्हें उसी जगह वापस छोड़ा जाए, जहां से उन्हें पकड़ा गया था। दीवान ने यह भी कहा कि बेंगलुरु में कुत्तों की माइक्रो-चिपिंग शुरू हो गई है और यह महंगा नहीं है।सीनियर एडवोकेट नकुल दीवान ने आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए एक एक्सपर्ट कमेटी बनाने की बात कही। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि श्कम्युनिटी कुत्तोंश की बढ़ती तादाद पर रोक लगाने की जरूरत है। दीवान ने कहा कि यह ऐसी समस्या नहीं है, जिसे एक दिन में खत्म किया जा सकता है। हमें कम्युनिटी कुत्तों की बढ़ती संख्या को कम करने की जरूरत है। हम ऐसी स्थिति भी नहीं चाहते, जहां हमारे पास कानून हो, लेकिन उसे लागू न करने की वजह से हमें कोई सख्त कदम उठाना पड़े।सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को आवारा कुत्तों के मामले में आगे की दलीलें सुनीं, जिसमें वरिष्ठ वकील सीयू सिंह ने तर्क दिया कि यह मुद्दा कुत्तों से आगे बढ़कर सभी आवारा जानवरों तक फैला है और इसके लिए एक संतुलित नजरिए की जरूरत है। एडवोकेट ने कोर्ट को बताया कि किसी इलाके से कुत्तों को अचानक हटाने से अक्सर अनचाहे नतीजे निकलते हैं, जिसमें चूहों और बंदरों की आबादी में तेजी से बढ़ोतरी शामिल है। उन्होंने कहा कि चूहे, जो कई बीमारियां फैलाते हैं, कुत्तों की मौजूदगी से कंट्रोल में रहते हैं, और चेतावनी दी कि अचानक दखल देने से यह संतुलन बिगड़ सकता है।

श्रीनगर में रिकॉर्ड तोड़ ठंड...जम्मू-कश्मीर - लेह लद्दाख में जमी जिंदगी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भीषण शीतलहर की चपेट में हैं। दोनों केंद्र शासित प्रदेशों में कई जगहों पर मौसम का सबसे कम तापमान दर्ज किया गया। कश्मीर घाटी के पर्यटन स्थल और ऊंचे इलाके सबसे सर्द रहे। सोनमर्ग में सबसे कम तापमान-9.8त्सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके बाद गुलमर्ग में -9.2त सेल्सियस और पहलगाम में -8.6त्सेल्सिसय रहा। शोपियां में भी तापमान -7.8त्व रहा। मौसम विभाग ने बताया कि ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर का तापमान -5.1त्सेल्सियस रहा, जो पिछली रात के -1.6त्सेल्सियस से काफी कम है, जो एक महत्वपूर्ण गिरावट है। जम्मू क्षेत्र के मैदानी इलाकों में भी तापमान में गिरावट देखी गई, हालांकि अधिकांश स्टेशनों पर तापमान जमाव बिंदु से ऊपर रहा। शीतकालीन राजधानी जम्मू में न्यूनतम तापमान 7.1 सेल्सियस दर्ज किया गया।

भाजपा ने एक करोड़ वोट बढ़वाए... नकली वोट बनाने वालों पर एफआईआर हो

अखिलेश यादव ने लगाए गंभीर आरोप

लखनऊ (एजेंसी)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि अभी तक जिस एसआईआर से पूरा देश परेशान था अब उससे भाजपा के लोग परेशान हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने एक करोड़ वोट बढ़वाया है। ऐसे लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए।अखिलेश यादव प्रदेश में एसआईआर के बाद राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी की गई कच्ची मतदाता सूची पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, वोट बढ़ाने का बीजेपी के लोग दवाब बनाएंगे क्योंकि उनका वोट कट गया है। उन्होंने फर्जी वोट बनाए थे। इसका मतलब फर्जी वोट डाले गए हैं और सबसे ज्यादा वोट बीजेपी के बूथों पर निकले हैं। जिस एसआईआर से ये पूरे देश को परेशान कर रहे थे मैं उत्तर प्रदेश की जनता का धन्यवाद करना चाहता हूं आज एसआईआर से बीजेपी परेशान है और इसलिए गुपचुप बैठक कर रहे हैं...इन लोगों ने 1 करोड़ वोट बढ़वाया है...अब तो सवाल उन पर खड़े हो गए हैं...जो नकली वोट बना रहे हैं उनके खिलाफ

एफआईआर हो। 6 मार्च को जारी होगी अंतिम मतदाता सूची मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) अभियान के तहत जारी की गई ड्राफ्ट मतदाता सूची को लेकर उठ रही आपत्तियों और शिकायतों का प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) नवदीप रिणवा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जवाब दे रहे हैं। वे लिखते हैं कि एसआइआर का अभी केवल प्रारंभिक चरण पूरा हुआ है। 6 मार्च को जारी अंतिम मतदाता सूची ही निर्णायक होगी। सीईओ ने एक्स पर कांग्रेस नेता गुरदीप सिंह सप्पल की आपत्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ड्राफ्ट मतदाता सूची में नाम होना या न होना निर्णायक नहीं है।

ईडी रेड के बीच पहुंची ममता ने लगाया आरोप, कहा- आंतरिक दस्तावेज ले जाने की कोशिश कर रहे थे अधिकारी

कोलकता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारी यहां आई-पीएसी प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर तलाश अभियान के दौरान तृणमूल कांग्रेस की हार्ड डिस्क, आंतरिक दस्तावेज और संवेदनशील संगठनात्मक डाटा जब्त करने का प्रयास कर रहे थे। बनर्जी ने जैन के आवास पर हुई छापेमारी को राजनीतिक रूप से प्रेरित और असंवैधानिक बताया। आई-पीएसी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के आईटी सेल की जिम्मेदारी भी संभालता है। बनर्जी ने जैन के लाउडन

स्ट्रीट स्थित आवास से बाहर निकलने के बाद ये आरोप लगाए, जहां बृहस्पतिवार सुबह से ही तलाश अभियान जारी है। जैन के नेतृत्व वाली फर्म इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई-पीएसी) के कार्यालय में भी तलाश अभियान चलाया जा रहा है। बनर्जी ने दावा किया कि प्रवर्तन निदेशालय सत्तारूढ़ पार्टी की आंतरिक रणनीति, उम्मीदवारों की सूचियां और गोपनीय डिजिटल सामग्री तक पहुंचने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने कहा कि ऐसी जानकारी का किसी भी वित्तीय जांच से कोई संबंध नहीं है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला करते हुए पूछा, वे हमारी पार्टी की हार्ड डिस्क, रणनीति और योजनाओं को चुराने की कोशिश कर रहे हैं।

एनएसए अजीत डोभाल करेंगे उद्घाटन, पीएम सहित शामिल होंगी कई नामचीन हस्तियां

नईदिल्ली (एजेंसी)।राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल दस जनवरी को युवा मामले और खेल मंत्रालय के 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' (वीबीवाईएलडी) के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। भारत मंडपम में आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में देशभर से दो हजार से ज्यादा प्रतिभागी अलग-अलग विषयों पर चर्चा करेंगे। इस आयोजन में खेल जगत की नामचीन हस्तियां भी युवाओं का मार्गदर्शन करेंगी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर 11 जनवरी को एक विशेष चर्चा (फायरसाइड चैट) में मौजूद रहेंगी। वहीं, बैडमिंटन के दिग्गज पुलेला गोपीचंद और टेनिस स्टार लिएंडर पेस प्रतिभागियों के साथ समूह चर्चा (ग्रुप डिस्कशन) का हिस्सा होंगे। शुक्रवार को सभी प्रतिनिधि एक ओरिएंटेशन सत्र में भाग लेंगे। इसके अलावा, वे दिल्ली स्थित प्रधानमंत्री संग्रहालय और राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का दौरा भी करेंगे।

गाडगिल एक राष्ट्र निमार्ता थे और सार्वजनिक नीति पर उनका प्रभाव गहरा था: जयराम रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने बृहस्पतिवार को प्रख्यात पारिस्थितिकीविद् माधव गाडगिल के निधन पर शोक व्यक्त किया और उनकी सराहना करते हुए उन्हें राष्ट्र निमार्ता बताया जिनका सार्वजनिक नीति पर गहरा प्रभाव था। गाडगिल पश्चिमी घाटों पर अपने कार्य के लिए जाने जाते थे। उनका पुणे में निधन हो गया। परिवारिक सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि वह कुछ समय से बीमार थे। सूत्रों के अनुसार, 83 वर्षीय गाडगिल ने बुधवार रात देर को पुणे के

एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। रमेश ने गाडगिल को एक उत्कृष्ट अकादमिक वैज्ञानिक, क्षेत्र विशेष पर निरंतर शोध करने वाला, एक अग्रणी संस्था निमार्ता, उत्कृष्ट संप्रेषक, लोगों के नेटवर्क और आंदोलनों में दृढ़ विश्वास रखने वाला बताया। कांग्रेस नेता ने उनकी सराहना करते हुए उन्हें पांच दशकों से अधिक समय तक कई लोगों का मित्र, दार्शनिक, मार्गदर्शक और संरक्षक बताया। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, आधुनिक विज्ञान के बेहतरीन विश्वविद्यालयों में प्रशिक्षित होने के बावजूद वह पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों खासकर जैव विविधता संरक्षण के प्रबल समर्थक थे।

जनता जिसे चाहेगी , आप उसे टिकट देगी :केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को कहा कि पार्टी उन आम लोगों को चुनावी टिकट देने के लिए प्रतिबद्ध है जो अपने काम के जरिए जनता का विश्वास और समर्थन हासिल करते हैं। लुधियाना में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी पारंपरिक राजनीतिक दलों से अलग है क्योंकि यह पैसे, प्रभाव या पारिवारिक पृष्ठभूमि के आधार पर टिकट नहीं बांटती है। केजरीवाल ने एएनआई से कहा कि आम आदमी पार्टी आम लोगों को टिकट देने वाली पार्टी है। आपको टिकट केवल आपके काम के आधार पर ही मिल सकता है। केजरीवाल उसी को टिकट देंगे जिसे जनता पसंद करती

है। आप के संस्थापक सिद्धांतों को दोहराते हुए केजरीवाल ने कहा कि पार्टी का गठन आम पृष्ठभूमि के ईमानदार और सक्षम व्यक्तियों को राजनीति में लाने, जवाबदेही सुनिश्चित करने और जन-केंद्रित शासन के लिए किया गया था। इससे पहले, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला करते हुए उसे पंजाब विरोधी और सिख विरोधी बताया। मुख्यमंत्री मान ने आम आदमी पार्टी (आप) नेता आतिशी जी के वीडियो में गुरु तेग बहादुर जी के नाम का दुरुपयोग करने के लिए भाजपा से सार्वजनिक माफी की मांग की, जिसे उन्होंने शर्मनाक कृत्य बताया। एक्स पर एक पोस्ट में, मान ने आरोप लगाया कि भाजपा ने आतिशी जी के उन शब्दों को जोड़ा है जो उन्होंने ₹कभी नहीं बोले₹ और गुरु तेग बहादुर जी का नाम गलत तरीके से जोड़कर पूज्य सिख गुरु का अपमान किया है। पोस्ट में लिखा था कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा से पंजाब और सिखों के खिलाफ रही है। आज फिर से उसका पंजाब विरोधी और सिख विरोधी चेहरा सामने आ गया है, जब उन्होंने आतिशी जी के वीडियो में उन शब्दों को जोड़ा है जो उन्होंने बोले तक नहीं थे और उसमें गुरु साहब का नाम जोड़कर गुरु साहब का अपमान किया है। इस शर्मनाक कृत्य के लिए भाजपा को सिख समुदाय और पंजाबियों से माफी मांगनी चाहिए। मुख्यमंत्री मान की ये टिप्पणी दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद उठे राजनीतिक विवाद के बीच आई है।

रेल मंत्री 100 रेलवे अधिकारियों को 26 शील्ड प्रदान करेंगे

गोरखपुरः भारतीय रेल, संगठन में अपनी बेहतरीन सेवा और उत्कृष्ट योगदान के लिए 100 कर्मठ कर्मचारियों और अधिकारियों को प्रतिष्ठित 70वें अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2025 से सम्मानित करने जा रहा है। पुरस्कार समारोह का आयोजन 9 जनवरी, 2026 को इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर (यशोभूमि), द्वारका, नई दिल्ली में किया जाएगा। रेलवे, सूचना और प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव, चयनित रेलवे कर्मचारियों को 70वां अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार प्रदान करेंगे। इस समारोह में रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री, श्री वी. सोमन्ना, रेल और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री, श्री रवनीत सिंह, रेलवे बोर्ड के चेयरमैन और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री सतीश कुमार, साथ ही रेलवे बोर्ड के सदस्य और विभिन्न रेल मंडलों और प्रोडक्शन यूनिट के माह प्रबंधक शामिल होंगे। अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार-2025 के लिए नवाचार, संचालन दक्षता, सुरक्षा, संरक्षा, राजस्व वृद्धि, परियोजना को समय पर पूरा करने, खेल में बेहतरीन प्रदर्शन और सेवा के अन्य खास क्षेत्रों में योगदान करने वाले 100 लोगों का चयन किया गया है। नवाचार और दक्षता को बढ़ावा देना 17 अधिकारियों और कर्मचारियों को नवाचार, प्रक्रिया शुरू करने के लिए सम्मानित किया जाएगा, जिससे उत्पादकता में सुधार होगा, खर्च में कमी आएगी, आयात कम होगा और संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल होगा। परिणामस्वरूप भारतीय रेलवे में दक्षता में वृद्धि होगी। बहादुरी और निस्वार्थ सेवा का सम्मान 22 रेल कर्मचारियों और अधिकारियों को व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना किए गए निःस्वार्थ और सराहनीय सेवा व सुरक्षा कार्यों के लिए सम्मानित किया जाएगा, जिसके परिणामस्वरूप जीवन और रेलवे संपत्ति की रक्षा हुई, और सार्वजनिक सेवा के प्रति असाधारण साहस, प्रतिबद्धता और समर्पण का उदाहरण पेश किया गया। राजस्व वृद्धि और सतर्कता 14 अधिकारियों और कर्मचारियों को रेलवे की आय में वृद्धि करने और बिना टिकट यात्रा, चोरी और अन्य कदाचारों से प्रभावी ढंग से निपटने में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा, जिससे वित्तीय अनुशासन मजबूत होगा और राजस्व की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। परिचालन उत्कृष्टता और संपत्ति संरक्षण 19 कर्मचारियों और अधिकारियों को परिचालन में सुधार, सुरक्षा और संरक्षा बढ़ाने, बेहतर रखरखाव प्रथाओं को सुनिश्चित करने और रेलवे संपत्तियों के सर्वोत्तम उपयोग और संरक्षण को बढ़ावा देने में उनके अनुकरणीय कार्य के लिए सम्मानित किया जाएगा। बड़ी परियोजना का समय पर पूरा होना 16 अधिकारियों और कर्मचारियों को रिकॉर्ड समय में महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं को पूरा करने के लिए सम्मानित किया जाएगा, जिससे बुनियादी ढांचे को विस्तार देने, क्षमता बढ़ाने और बेहतर संचालन प्रदर्शन में महत्वपूर्ण योगदान मिला है। अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन 10 अधिकारियों और कर्मचारियों को परिभाषित श्रेणियों के अतिरिक्त अन्य क्षेत्रों में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जाएगा, जो भारतीय रेलवे के विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों में पेशेवर उत्कृष्टता, समर्पण और प्रभावशाली योगदान को दशार्ता है। बेहतरीन खेल प्रदर्शन का भी सम्मान रेलवे अपने 2 खिलाड़ियों को भी अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार-2025 से सम्मानित करेगा, जिन्होंने खेलों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान हासिल की है और भारतीय रेलवे का नाम रोशन किया है। व्यक्तिगत सम्मान से परे व्यक्तिगत सम्मान के अलावा, अलग-अलग श्रेणियों में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले रेल मंडलों को 26 शील्ड प्रदान किए जाएंगे, जो उनकी शानदार उपलब्धियों और कुल मिलाकर बेहतरीन प्रदर्शन को पहचान देंगे। सम्मानित होने वालों में ऐसे रेल कर्मचारी शामिल हैं जिन्होंने महाकुंभ जैसे बड़े आयोजनों के दौरान सुरक्षित और बिना किसी व्यवधान के रेलवे संचालन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रेल कर्मियों के विशेष योगदान को भी सम्मान मिलेगा जिन्होंने मुश्किल परिस्थितियों में भी रेलवे संचालन और जनता को राहत सुनिश्चित की। साथ ही ऐसे कर्मी भी सम्मानित सोची में हैं जिन्होंने मुश्किल सेक्शन में एडवांस्ड बैलास्ट क्लीनिंग मशीनों को पेश किया, जिससे ट्रैक सुरक्षा, यात्रा की गुणवत्ता और लंबे समय तक रखरखाव की दक्षता में काफी सुधार हुआ। यह पुरस्कार समारोह भारतीय रेलवे के समर्पण, उच्च व्यावसायिकता और अनुकरणीय सेवा को पहचानने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, साथ ही एक सुरक्षित, अधिक कुशल और यात्री-केंद्रित रेल प्रणाली बनाने में अपने कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों का उत्सव भी मनाता है।

मेला विशेष गाड़ियों को निम्न तिथियों में निरस्त करने का निर्णय लिया गया है

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा अपरिहार्य कारणों से माघ मेला के अवसर पर चलने वाली निम्नलिखित मेला विशेष गाड़ियों को निम्न तिथियों में निरस्त करने का निर्णय लिया गया है।

निरस्तीकरण-

-बढ़नी से 19, 20, 21, 24, 25, 26 जनवरी तथा 02, 03, 16 एवं 17 फरवरी, 2026 को चलने वाली 05107 बढ़नी-प्रयागराज रामबाग मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-प्रयागराज रामबाग से 20, 21, 22, 25, 26, 27 जनवरी तथा 03, 04, 17 एवं 18 फरवरी, 2026 को चलने वाली 05108 प्रयागराज रामबाग-बढ़नी मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-बनारस से 19, 20, 21, 24, 25, 26 जनवरी तथा 02, 03, 16 एवं 17 फरवरी, 2026 को चलने वाली 05109 बनारस-प्रयागराज रामबाग मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-प्रयागराज रामबाग से 19, 20, 21, 24, 25, 26 जनवरी तथा 02, 03, 16 एवं 17 फरवरी, 2026 को चलने वाली 05110 प्रयागराज रामबाग-बनारस मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-झूसी से 19, 20, 24, 25, 26 जनवरी तथा 02, 03 एवं 16 फरवरी, 2026 को चलने वाली 05112 झूसी-गोरखपुर मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-गोरखपुर से 20, 21, 25, 26, 27 जनवरी तथा 03, 04 एवं 17 फरवरी, 2026 को चलने वाली 05111 गोरखपुर-झूसी मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-छपरा से 13, 15, 16, 18, 19, 23, 24, 25, 26 जनवरी तथा 01, 02, 15 एवं 16 फरवरी, 2026 को चलने वाली 05113 छपरा-प्रयागराज रामबाग मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-प्रयागराज रामबाग से 13, 15, 16, 18, 19, 23, 24, 25, 26 जनवरी तथा 01, 02, 15 एवं 16 फरवरी, 2026 को चलने वाली 05114 प्रयागराज रामबाग-छपरा मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-छपरा से 13, 15, 16, 18, 19, 21, 23, 30 जनवरी तथा 01, 13 एवं 15 फरवरी, 2026 को चलने वाली 05005 छपरा-झूसी मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-झूसी से 14, 16, 17, 19, 20, 22, 24, 31 जनवरी तथा 02, 14 एवं 16 फरवरी, 2026 को चलने वाली 05006 झूसी-छपरा मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-गोरखपुर से 16, 18, 21, 23, 30 जनवरी तथा 01, 13 एवं 15 फरवरी, 2026 को चलने वाली 05002 गोरखपुर-झूसी मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-झूसी से 17, 19, 22, 24, 31 जनवरी तथा 02, 14 एवं 16 फरवरी, 2026 को चलने वाली 05001 झूसी-गोरखपुर मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-झूसी से 09, 10, 11, 12, 13, 20, 21, 25, 26, 27, 28, 29, 30 जनवरी तथा 03, 04, 05, 06, 07, 08, 09, 10, 11, 12, 13, 14 एवं 17 फरवरी, 2026 को चलने वाली 05101 झूसी-गाजीपुर सिटी-छपरा-थावे-सीवान-भटनी-मऊ-वाराणसी सिटी-झूसी रिंग रेल मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-झूसी से 20, 21, 25, 26, 27 जनवरी तथा 03, 04 एवं 17 फरवरी, 2026 को चलने वाली 05104 झूसी-बनारस मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-बनारस से 20, 21, 25, 26, 27 जनवरी तथा 03, 04 एवं 17 फरवरी, 2026 को चलने वाली 05103 बनारस-झूसी मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

पांच ट्रक आपस में टकराए चालक व परिचालक घायल

वाराणसी। वाराणसी में घने कोहरे का कहर जारी है। बृहस्पतिवार को दोपहर तक कोहरा छाया रहा। यही वजह है कि घने कोहरे में पांच ट्रकों की आपस में टक्कर हुई, जिसमें चालक व परिचालक घायल हो गए। इसके अलावा दुर्घटना के बाद रिंग रोड पर घंटों भीषण जाम की स्थिति रही। वाराणसी में रिंग रोड लोहता के खेवशीपुर क्षेत्र में घने कोहरे के कारण बृहस्पतिवार तड़के बड़ा हादसा हुआ। कोहरे की वजह से दृश्यता बेहद कम होने पर एक के बाद एक पांच ट्रक आपस में टकरा गए। हादसे में तीन ट्रक चालक और परिचालक घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। सभी की हालत सामान्य बताई जा रही है। दुर्घटना के बाद रिंग रोड पर ट्रकों की लंबी कतार लग गई, जिससे राजातालाब क्षेत्र में जाम की स्थिति बन गई। जाम के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाया गया, जिससे यातायात बहाल हो सका। उधर, प्रशासन ने घने कोहरे को देखते हुए वाहन चालकों से सावधानी बरतने और आवश्यक होने पर ही यात्रा करने की अपील की है।

बिजली राहत योजना में अब सिर्फ 20% की छूट

बस्ती। बिजली बिल राहत योजना के तहत प्रथम चरण में एक दिसंबर 2025 से तीन जनवरी 2026 तक उपभोक्ताओं को 121.78 करोड़ रुपये का छूट मिला है। इसमें 90.10 करोड़ ब्याज और 21.68 करोड़ रुपये मूलधन का शामिल है। इससे 55,561 उपभोक्ताओं को लाभ मिला है। इनसे निगम को कुल 67.78 करोड़ रुपये राजस्व की प्राप्ति हुई है। तीन चरणों में चलाई जा रही इस योजना का प्रथम चरण पूरा हो चुका है।

दुष्कर्म के दोषी को आजीवन कारावास

बस्ती। अतिरिक्त सत्र व विशेष न्यायाधीश एससी-एसटी एक्ट की कोर्ट ने बुधवार को अनुसूचित जाति की महिला से दुष्कर्म करने के गांव के ही दोषी भगौती प्रसाद मिश्र को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। 7,500 रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड न देने पर आरोपी को तीन माह 10 दिन की अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ेगी। मामला हर्रैया थाना क्षेत्र के एक गांव का है। पीड़िता ने 27 नवंबर 1991 को हर्रैया थाने में तहरीर देकर बताया कि उनके मकान के पास आरोपी का घर है।

महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर ने 12555 का किया ऑन बोर्ड निरीक्षण

गोरखपुरः महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर ने 08 जनवरी,2026 को 12555 गोरखपुर-बठिण्डा गोरखधाम एक्सप्रेस से यात्रा के दौरान ट्रेन का ऑन बोर्ड निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने यात्रियों को दी जा रही लिनेन का अवलोकन कर उसकी साफ-सफाई तथा रख-रखाव का गहन निरीक्षण किया। उन्होनें कोच अटेंडेंट को लिनेन के बेहतर रख-रखाव सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया। महाप्रबंधक ने ट्रेन टिकट परीक्षकों से हैण्ड हेल्ड मशीन की कार्य प्रणाली तथा इससे इनके कार्यो में आये बदलाव के बारे में चर्चा की। श्री बोरवणकर ने प्रसाधनों का गहन निरीक्षण कर जलापूर्ति तथा साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने हेतु संबंधित कर्मचारियों को निर्देशित किया। उन्होंने ऑन बोर्ड हाउस किपिंग सर्विस (ओ.बी.एच.एस.) के कर्मचारियों की आई.डी. चेक की तथा उन्हें कोचों सहित प्रसाधनों एवं स्नैक्स टेबल को नियमित अन्तराल पर साफ करने हेतु निर्देशित किया। महाप्रबंधक ने फायर एवं स्मोक डिटेक्शन सिस्टम का भी निरीक्षण किया तथा इसके लिए ऑन बोर्ड हाउस किपिंग सर्विस (ओ.बी.एच.एस.) के कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने हेतु संबंधित को निर्देशित किया। श्री बोरवणकर ने कोच के अन्दर लगे अस्पष्ट स्टीकरों को हटाने का निर्देश दिया तथा आवश्यक एवं जागरूकता वाले स्टीकरों को स्पष्ट तरीके से निश्चित तथा पहुँच वाले जगह पर लगाने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होने यात्रा कर रहे यात्रियों से फीडबैक भी प्राप्त किया।

पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन शीतकाल में निर्बाध एवं सुरक्षित टेज्न परिचालन के लिये प्रतिबद्ध है

गोरखपुर,: भारतीय रेल पर संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। शीतकाल के दौरान रेल संरक्षा सुनिश्चित करने के लिये पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन निरन्तर सतर्क और सक्रिय है। अधिकारियों द्वारा औचक संरक्षा जांच किया जा रहा है।

इसी क्रम में मंडल रेल प्रबन्धक/लखनऊ श्री गौरव अग्रवाल ने रेल संरक्षा एवं कर्मचारियों की सजगता की जांच के लिये 7/8 जनवरी,2026 की मध्य रात्रि में गोरखपुर-आनन्दनगर रेल खण्ड पर समपार संख्या 11-सी एवं 13-सी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ड्यूटी पर तैनात गेटमैन के सतर्कता की जांच की तथा कर्मचारियों से सुरक्षित टेज्न परिचालन के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की। जांच के दौरान सभी गेटमैन ड्यूटी पर सतर्क पाये गये। श्री अग्रवाल ने कर्मचारियों को रेल संरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिये तथा विशेष रूप से शीतकाल में कोहरे की स्थिति में अधिक सतर्कता बरतने पर बल दिया। इस दौरान अपर मण्डल रेल प्रबन्धक/परिचालन श्रीमती नीतू एवं वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/समन्वय श्री गौरव गुप्ता भी उपस्थित थे। इससे पूर्व, 6/7 जनवरी,2026 को रात्रि में मण्डल रेल प्रबन्धक श्री गौरव अग्रवाल ने गोण्डा-आनन्दनगर के मध्य समपार संख्या 74-सी, 69-सी, 68-सी एवं 66-सी का औचक निरीक्षण कर गेटमैन के सतर्कता की। मण्डल रेल प्रबन्धक श्री गौरव अग्रवाल ने कहा कि रेल संरक्षा हमारी प्राथमिकता है। औचक निरीक्षणों के माध्यम से हम कर्मचारियों की सजगता सुनिश्चित कर रहे हैं। यात्रियों से अपील है कि वे भी संरक्षा नियमों का पालन करें तथा किसी संदिग्ध स्थिति में तुरन्त रेल अधिकारियों को सूचित करें। शीत ऋतु में गाड़ियों के सुरक्षित संचलन हेतु रेलवे प्रशासन द्वारा कई विशेष उपाय अपनाये जा रहे हैं। गेटमैनों को अतिरिक्त समर्कता बरतने तथा पटरी पर नियमित गश्त बढ़ाने के निर्देश जारी किये गये हैं। कर्मचारियों की टेजनिंग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि वे कोहरे में सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित कर सकें। पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन शीतकाल में निर्बाध एवं सुरक्षित टेज्न परिचालन के लिये प्रतिबद्ध है।

वार्ड 43 में जमीनी नेता की वापसी: सुदर्शन फूलचंद सोनी के साथ खड़ी नजर आ रही है जनता

मुंबई। मुंबई महानगरपालिका चुनाव 2026 के शोरगुल के बीच वार्ड क्रमांक 43 एक शांत लेकिन निर्णायक बदलाव की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है। यहां चुनावी नारों से ज्यादा चर्चा काम, उपलब्धता और भरोसे की हो रही है – और इसी भरोसे का चेहरा बनकर उभरे हैं कांग्रेस के अधिकृत उम्मीदवार सुदर्शन फूलचंद सोनी। सुदर्शन सोनी कोई अचानक उभरा नाम नहीं हैं। वर्षों से वे वार्ड 43 की गलियों, झुग्गी बस्तियों और सोसायटियों में नागरिक समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय रहे हैं। पानी की अनियमित आपूर्ति हो या टूटी सड़कें, नालों की गंदगी हो या स्वास्थ्य सेवाओं की कमी – हर मुद्दे पर उन्होंने न केवल आवाज उठाई, बल्कि प्रशासन को जवाबदेह बनाने का प्रयास भी किया। स्थानीय नागरिक मानते हैं कि सुदर्शन सोनी की सबसे बड़ी ताकत उनकी लगातार मौजूदगी है। चुनाव के मौसम

से पहले और बाद में भी जनता के बीच रहना, फोन पर उपलब्ध रहना और समस्याओं को व्यक्तिगत रूप से सुनना – यही वजह है कि युवा वर्ग, महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक और अल्पसंख्यक समुदायों में उनके प्रति भरोसा मजबूत होता जा रहा है। कांग्रेस की वैचारिक प्रतिबद्धता और संगठनात्मक अनुभव के साथ सुदर्शन सोनी ने वार्ड 43 के लिए एक स्पष्ट विकास रोडमैप पेश किया है। बेहतर सड़कें, नियमित जलापूर्ति, स्वच्छता व्यवस्था, सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं और युवाओं के लिए रोजगार से जुड़ी पहल उनके प्रमुख वादों में शामिल हैं। वार्ड 43 में उभरते चुनावी संकेत साफ बता रहे हैं कि इस बार जनता दिखावे से ज्यादा जमीनी काम को प्राथमिकता दे रही है। ऐसे माहौल में सुदर्शन फूलचंद सोनी एक ऐसे प्रत्याशी के रूप में सामने आ रहे हैं, जिन पर लोग दोबारा भरोसा जताने को तैयार नजर आ रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

रुपये हड़पने के आरोप में बहन-बहनोई पर एफआईआर

संवाद न्यूज एजेंसी कप्तानगंज (बस्ती)। विधवा बहन का रुपये हड़पना एक दंपती को महंगा पड़ गया। बहन ने सगी बहन और उसके पति बहनोई पर बुधवार को प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। थाना क्षेत्र के राजाजोत कला गांव की रहने वाली सुनीता वर्मा की शादी हरैया थानां क्षेत्र के महुआपार गांव निवासी शेषराम के हुई थी। शादी के कुछ दिनों बाद ही सुनीता के पति की मौत हो गई। सुनीता ने तहरीर में आरोप लगाया है कि बहन और उसके पति ने जमीन खरीदने के लिए 15 लाख रुपये तीन साल पहले लिए थे। दोनों न जमीन खरीदा और न ही रुपये वापस कर रहे हैं। रुपये मांगने पर जान से मारने की धमकी दी जा रही है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर सुनीता की बड़ी बहन गायत्री देवी और उनके पति अमर नाथ निवासी सुकरौली चौधरी थाना पैकोलिया पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

कप्तानगंज चौराहे पर फ्लाईओवर नहीं

कप्तानगंज। कप्तानगंज चौराहे के फोरलेन पर फ्लाईओवर बनने का मुद्दा चुनावी सभाओं तक ही सिमट कर रह गया। इससे राहगीरों और स्थानीय लोगों को जोखिम में डालकर सड़क पार करना पड़ रहा है। कप्तानगंज चौराहे पर अब तक सड़क पार करते वक्त कई लोगों की जान जा चुकी है। उसके बाद भी व्यवस्था में कोई सुधार नही हो रहा है। फोरलेन के बस्ती-अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर जनपद मुख्यालय से 15 किलोमीटर पर बसा कप्तानगंज कस्बा जिले के प्रमुख कस्बों के रूप में जाना जाता है। कप्तानगंज विधानसभा क्षेत्र में फोरलेन सड़क बने कई साल गुजर गए लेकिन कप्तानगंज का फ्लाईओवर बनवाने का किसी भी ने प्रयास नहीं किया। इस रास्ते आंबेडकरनगर, सुल्तानपुर और अयोध्या जिले के लोग भी शेरवा घाट से, पंडुल घाट के रास्ते कप्तानगंज से होकर बस्ती और हरैया जाते हैं। कस्बे के रघुनाथ चौधरी, विकल्प तिवारी, अमरदेव सिंह, अनूप मिश्रा ने बताया कि फोरलेन के निर्माण के समय ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों और एनएचएआई के अधिकारियों से फ्लाईओवर बनवाने की मांग की गई थी, लेकिन कोई सुनवाई नही हुई। एनएचएआई के सहायक प्रोजेक्ट मैनेजर अभय सिंह ने बताया कि कप्तानगंज चौराहे पर फोरलेन की स्वीकृति हो गई है जल्द ही कार्य शुरू किया जएगा।

अनुपस्थित मिले दो सफाईकर्मी निलंबित

बस्ती। अनुशासनहीनता और तैनाती स्थल पर बिना बताए गायब रहने के आरोप में दो सफाई कर्मियों को डीपीआरओ घनश्याम सागर ने निलंबित कर दिया है। दोनों निलंबन ब्लॉक गौर के राजस्व ग्राम बेलघाट में तैनात सफाई कर्मी कमलेश कुमार और सफाई कर्मी जयहिंद का हुआ। इन पर तैनाती स्थल पर आदेश के बावजूद न जाने और बिना किसी पूर्व सूचना के एडीपीआरओ के निरीक्षण के समय 24 दिसंबर को गायब रहने का आरोप है। डीपीआरओ ने एडीओ पंचायत रुधौली और एडीओ पंचायत बहादुरपुर को जांच अधिकारी बनाया गया है।

महिला अस्पताल के सीएमएस पर 25 हजार का जुमार्ना

बस्ती। आरटीआई के तहत मांगी गई सूचना उपलब्ध नहीं कराने पर राज्य सूचना आयोग ने महिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. अनिल कुमार पर 25 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया है। इस धनराशि की कटौती सीएमएस के वेतन से तीन माह तक की जाएगी। प्रक्रिया पूरी होने के बाद राज्य सूचना आयुक्त को अवगत कराने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता भानु प्रताप चतुर्वेदी ने आरटीआई के तहत महिला अस्पताल में मेडिकल उपकरणों की खरीदारी में हुई हेराफेरी पर सीएमएस से जानकारी मांगी थी, लेकिन उन्हें उपलब्ध नहीं कराया गया। जब कहीं सुनवाई नहीं हुई तो उन्होंने राज्य सूचना आयोग में प्रार्थनापत्र दिया।

अमृत भारत 22, दरभंगा-नई दिल्ली क्लोन 12 घंटे देर से आई

बस्ती। भीषण ठंड में कोहरे का असर एक्सप्रेस ट्रेनों पर आए दिन देखने को मिल रहा है। कई एक्सप्रेस ट्रेनें अपने निर्धारित समय से काफी विलंब से चल रही हैं। इसका खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। ट्रेनों के लेट होने से यात्रियों को रातभर प्लेटफॉर्म पर ट्रेन के इंतजार में बैठना पड़ रहा है। पूर्वोत्तर रेलवे के बस्ती के रास्ते बुधवार को जाने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन अपने निर्धारित समय से 22 घंटे की देरी से चल रही है। इस ट्रेन को बस्ती रेलवे स्टेशन पर रात 2:56 बजे आने का समय था। लेट होने से यह ट्रेन अब बृहस्पतिवार की रात एक 1:21 बजे आने की संभावना है। दरभंगा नई दिल्ली क्लोन स्पेशल 12 घंटे, नई दिल्ली क्लोन स्पेशल 3 घंटे, बरौनी नई दिल्ली क्लोन स्पेशल 12:30 घंटे, अयोध्या-भटनी मेमो पैसेंजर अपने निर्धारित समय से 3:30 घंटे की देरी से चल रही है। स्टेशन पर ट्रेन की प्रतीक्षा कर रहे यात्री संदीप कुमार व महिला यात्री उर्मिला देवी ने बताया कि अमृत भारत एक्सप्रेस से दिल्ली तक की यात्रा करनी है। आधी रात से भीषण ठंड में ट्रेन के इंतजार में स्टेशन पर बैठे हैं। लेकिन ट्रेन इतना लेट होती जा रही है, कि परिवार के लोग यात्रा कैंसिल कर घर वापस बुला रहे हैं। अब कुछ समझ में नहीं आ रहा है कि क्या किया जाए। क्योंकि पहले से रिजर्वेशन कराया गया था। यात्रियों ने बताया कि मोबाइल और पूछताछ हा काउंटर पर ट्रेन की जानकारी लेटे-लेटे थक गए हैं। एनईआर रेलवे के सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने बताया कि कुछ जगहों पर भीषण कोहरे का असर है। जिससे ट्रेनों को लेट होना पड़ रहा है। रेलवे प्रशासन की ओर से लगातार ट्रेनों को समय से चलने का प्रयास किए जा रहा है।

पूर्व मंत्री अमर मणि मामले की सुनवाई आज

बस्ती। शहर के व्यापारी धर्मराज गुप्ता के बेटे राहुल मद्धेशिया के अपहरण के आरोपी पूर्व मंत्री अमर मणि त्रिपाठी के मामले की सुनवाई बृहस्पतिवार को एमपी-एमएएल कोर्ट में होगी। इस मामले में 22 गवाह हैं। अब तक 11 गवाहों की गवाही हो चुकी है। 12वें गवाह से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये जिरह होगी। बता दें कि कोतवाली थाना क्षेत्र के रोडवेज तिराहा निवासी धर्मराज मद्धेशिया के पुत्र राहुल का अपहरण छह दिसंबर 2001 को स्कूल जाते समय हुआ था। इस मामले में पूर्व मंत्री अमर मणि त्रिपाठी सहित नौ आरोपियों पर कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया गया था। अमर मणि सहित तीन आरोपियों की पत्रावली अलग कर दी गई है।

पुलिस चौकी के पास तालाब से उतारता मिला शव

रूधौली। बुधवार की देर शाम देव शाम लगभग आठ बजे थाना क्षेत्र के बिशनपुरवा स्थित पुलिस चौकी से महज 20 मीटर की दूरी पर पुलिया के नीचे जलकुंभी से भरे तालाब में एक पुरुष का शव उतरता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को तालाब से निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शव का आधा दाहिना हाथ और सर का कुछ हिस्सा गायब था। सूचना पर पहुंची विधि विज्ञान टीम ने आवश्यक साक्ष्य इकट्ठा किए।

बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ बाजार; सेंसेक्स 780 अंक टूटा, निफ्टी 25900 के नीचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन यानी गुरुवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 780.18 अंक गिरकर 84,180.96 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 263.90 अंक गिरकर 25,876.85 अंक पर बंद हुआ। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को लाल निशान पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में व्यापक बिकवाली के दबाव के बीच संभावित अमेरिकी टैरिफ बढ़ोतरी को लेकर नई चिंताओं के चलते बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग 1 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई। विश्लेषकों का कहना है कि विदेशी निधियों की निरंतर निकासी के बीच धातु, तेल और गैस व कमोडिटी शेयरों में भारी नुकसान ने दबाव को और बढ़ा दिया है। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 780.18 अंक या 0.92 प्रतिशत गिरकर 84,180.96 अंक पर बंद हुआ।

69वीं राष्ट्रीय शालेय बालिका हॉकी प्रतियोगिता का समापन

झारखंड की दोनों टीमों को राष्ट्रीय शालेय बालिका हॉकी का खिताब

मध्यप्रदेश की टीमें रहीं उप विजेता

ग्वालियर

ग्वालियर में आयोजित 69वीं राष्ट्रीय शालेय बालिका हॉकी प्रतियोगिता का बुधवार को समापन हुआ। बालिकाओं के 14 व 19 वर्ष आयु वर्ग में खेली गई इस प्रतियोगिता के दोनों खिताब झारखंड के नाम रहे। दोनों वर्गों के रोमांचक फायनल मुकाबलों में उत्कृष्ट हॉकी का प्रदर्शन कर झारखण्ड ने मध्यप्रदेश को पराजित कर खिताब पर कब्जा जमाया। कम्पू स्थित राजमाता विजयाराजे सिंधिया खेल परिसर के मैदान पर हुए फायनल मैच का देखने के लिए जिला पंचायत की अध्यक्ष दुर्गेश कुंवर सिंह जाटव व उपाध्यक्ष प्रियंका सिंह घुरैया, जिलाधीश रुचिका चौहान, प्रदेश संयोजक शिक्षक प्रकोष्ठ भाजपा नितेश शर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत, प्रतियोगिता के पर्यवेक्षक पदम सिंह आदि मौजूद थे।

चौदह वर्ष आयु वर्ग में झारखंड एवं मध्यप्रदेश की बालिकाओं के बीच खेले गए रोमांचक फायनल मुकाबले में मध्यप्रदेश की टीम को झारखंड की टीम ने एक के मुकाबले दो गोल से पराजित किया। इसी तरह 19 वर्ष आयु वर्ग में झारखंड की टीम ने मध्यप्रदेश पर 3-2 से फतह हासिल की। कम्पू खेल परिसर में आयोजित हुई 69वीं राष्ट्रीय शालेय बालिका हॉकी प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों की 27 टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के सामपन अवसर पर स्कूली छात्राओं द्वारा मनोहरी रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। प्रतियोगिता के फायनल मैच के बाद विजेता व उप विजेता टीमों को ट्रॉफी एवं पदक प्रदान किए गए। साथ ही तकनीकी अधिकारियों एवं कोच इत्यादि को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी हरिओम चतुर्वेदी, डीपीसी रविन्द्र सिंह तोमर, शालेय जिला क्रीडा अधिकारी आरके सिंह व पंकज शर्मा सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

खेलों की गुणवत्ता पर काम कर रही सरकार : शर्मा

कार्यक्रम में मौजूद भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ के संयोजक नितेश शर्मा ने झारखंड की टीमों को बधाई देते हुए कहा कि यद्यपि वहां तुलनात्मक रूप से खेल सुविधाएं कम हैं फिर भी बच्चों ने बेहतर प्रदर्शन किया। मध्यप्रदेश की टीमों को और मेहनत की जरूरत है। यही खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करेंगे। केंद्र सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्य सरकार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में खेलों की गुणवत्ता और बजट पर लगातार ध्यान दे रही है।

जीविवि का सांस्कृतिक दल राज्य स्तरीय युवा उत्सव के लिए उज्जैन रवाना

ग्वालियर

राज्य स्तरीय युवा उत्सव 2025-26 का आयोजन विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन की संगठन व्यवस्था में 08, 09 एवं 10 जनवरी को किया जा रहा है। इस तीन दिवसीय युवा उत्सव में सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं चित्रकला की कुल 22 विभिन्न विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। इस आयोजन में सहभागिता हेतु जीवाजी विश्वविद्यालय का सांस्कृतिक दल बुधवार को ग्वालियर से उज्जैन के लिए रवाना हुआ। दल का नेतृत्व डॉ.जयंत कोष्ठी, सहायक प्राध्यापक वीआरजी महाविद्यालय एवं डॉ. मानव महंत अतिथि विद्वान केआरजी महाविद्यालय द्वारा किया जा रहा है। दल की रवानगी के अवसर पर जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो.राजकुमार आचार्य ने झण्डी दिखाकर सांस्कृतिक दल को शुभकामनाओं के साथ रवाना किया। कुलगुरु ने कहा कि युवा उत्सव विद्यार्थियों की रचनात्मकता, प्रतिभा और सांस्कृतिक चेतना को सशक्त मंच प्रदान करता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजीव मिश्रा,अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो.जेएन गौतम सहित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आरएमटी संगीत एवं कला विश्वविद्यालय का दल भी रवाना

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन में 8, 9 एवं 10 जनवरी को आयोजित होने वाले तीन दिवसीय राज्य स्तरीय युवा उत्सव में सहभागिता करने राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर का प्रतिभागी दल आज उज्जैन के लिए रवाना हुआ। विश्वविद्यालय की छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. अंजना झा ने सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर दल के संयोजक डॉ. श्याम रस्तोगी भी उपस्थित रहे। उनके द्वारा प्रतिभागियों को विभिन्न विधाओं की प्रतियोगिताओं से संबंधित नियमों, आचार-संहिता एवं युवा उत्सव की संपूर्ण रूपरेखा से अवगत कराया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से कुलगुरु प्रो. स्मिता सहस्त्रबुद्धे, कुलसचिव अरुण सिंह चौहान, वित्त नियंत्रक डॉ. आशुतोष खरे तथा छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. अंजना झा ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके सफल एवं गौरवपूर्ण प्रदर्शन की कामना की।

हिंदू सम्मेलन व पंच परिवर्तन श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का भूमि पूजन

21 से 28 तक होगा आयोजन

ग्वालियर

हिंदू सम्मेलन एवं पंच परिवर्तन श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के भव्य आयोजन की तैयारियों का शुभारंभ बुधवार को विधि-विधान से भूमि पूजन के साथ हुआ। ग्राम सातऊं शीतला माता कल्याण समिति के तत्वावधान में होने वाले इस आयोजन का भूमि पूजन संजीव शास्त्री द्वारा सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर शीतला माता मंदिर के महंत गजराज सिंह भगत विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मंदिर समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि यह भव्य आयोजन 21 जनवरी से 28 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हिंदू सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक विमल गुप्ता का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में 1008 दंदरौआ धाम के संत रामदास महाराज, 1008 शीतलदास महाराज (सिरसा घाटीगांव), 1008 अनिरुद्ध महाराज, 1008 जड़ेरुआ धाम महाराज एवं 1008 मिर्चपुरी धाम महाराज उपस्थित रहेंगे। भूमि पूजन के उपरांत आयोजन की तैयारियों को लेकर प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक भी आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक ललित कुमार, ग्वालियर विभाग कार्यवाह मुनेंद्र कुशवाह एवं नगर कार्यवाह (ग्वालियर ग्रामीण) द्वारका प्रसाद ने की।

बैठक में जंड़ेल सिंह गुर्जर (किसान संघ), सोनाराम प्रजापति, गिर्राज बघेल, चंदू गुर्जर, प्रभु प्रजापति, रामवीर गुर्जर, कम्मो जैन, पवन सोनी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हिन्दू सम्मेलन के लिए किया भूमि पूजन

जती बस्ती बिरला नगर का 11 जनवरी को दोपहर 2 बजे होने वाले हिंदू सम्मेलन का भूमि पूजन बुधवार को कोल डिपो मैदान पर किया गया। इस अवसर पर सुरेंद्र सिंह भदौरिया, सत्य प्रकाश नरवरिया, राम अवतार सिंह कुशवाहा, श्री हिंडोलिया, मनोज तिवारी, वेद प्रकाश, ऋषभ भारद्वाज, मालती प्रजापति आदि उपस्थित रहे। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बस्ती के लोगों से कार्यक्रम में भाग लेने का आग्रह किया है।

जादूगर दीप कुमार का जादू शो 18 तक

ग्वालियर। सुपर स्टार जादूगर दीप कुमार का भव्य जादू शो इन दिनों शहरवासियों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। माधव मंगलम पैलेस, नदी गेट चौराहा (ताज ऊषा किरण पैलेस के समीप) में आयोजित इस जादू शो को देखने के लिए रोजाना बड़ी संख्या में दर्शक सपरिवार पहुंच रहे हैं और कलाकार की कला की सराहना कर रहे हैं। शो के दौरान माइम मैजिक, चार कबूतरों को दर्शकों की आंखों के सामने गुब्बारों में बदल देना, एक सुंदर युवती को लगभग दस फीट हवा में उड़ा देना तथा इंद्रजाल बॉक्स जैसे रोमांचक प्रयोग दर्शकों को खूब लुभा रहे हैं। प्रत्येक दिन दो शो अपराह्न 3 बजे और सायं 6 बजे आयोजित किए जा रहे हैं। रविवार और मंगलवार को तीन शो दोपहर 12 बजे, 3 बजे तथा सायं 6 बजे होते हैं।शो आयोजक रुद्र प्रताप सिंह ने बताया कि ग्वालियर में जादूगर दीप कुमार का अंतिम शो 18 जनवरी को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके बाद जादू का यह काफिला अन्य शहरों की ओर रवाना होगा। शो के टिकट ऑनलाइन तथा माधव मंगलम पैलेस स्थित टिकट काउंटर से उपलब्ध हैं।

वीआरजी कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 7 मार्च से, पोस्टर का विमोचन

ग्वालियर

शासकीय विजयाराजे कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय मुरार में 7 व 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी होगी। जिसका विषय भारतीय ज्ञान परंपरा और समग्र शिक्षा गुरुकुल से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तक रहेगा। इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए बुधवार को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एसके श्रीवास्तव की अध्यक्षता में पोस्टर का विमोचन किया गया। जिसमें आयोजन सचिव डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव एवं समिति के सदस्य मौजूद रहे। संगोष्ठी के मुख्य संरक्षक आयुक्त उच्च शिक्षा विभाग प्रबल सिपाहा व संरक्षक कुलगुरु जीवाजी विश्वविद्यालय प्रो. राजकुमार आचार्य होंगे। जबकि अतिरिक्त संचालक ग्वालियर चंबल संभाग डॉ. कुमार रत्नम एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एसके श्रीवास्तव संरक्षक के रूप में मार्गदर्शन देंगे।

आयोजन सचिव डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव ने बताया कि कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि टेक्सास (यूएसए) से एमडी, एलएलपी डलास पंकज द्विवेदी एवं आमंत्रित अतिथि जम्मू कश्मीर स्टडी सेंटर के निदेशक आशुतोष भटनागर होंगे।

बीज वक्ता निदेशक दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान भोपाल डॉ. मुकेश मिश्र व बीएचयू वाराणसी के प्रोफेसर डॉ. आरएन त्रिपाठी होंगे। वहीं वक्ता के रूप में पूर्व विभागाध्यक्ष अंग्रेजी विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय डॉ. एसके शर्मा भी विचार प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. साधना तोमर, सह संयोजक डॉ. रतन सिन्हा, कोषाध्यक्ष डॉ. आरएन खंडेलवाल एवं परिवाद समिति संयोजक डॉ. राजीव चौहान हैं। डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव ने बताया कि संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा की शैक्षिक अवधारणाओं-गुरुकुल प्रणाली, मूल्यबोध, नैतिकता, आत्मबोध एवं समग्र मानव विकास को आधुनिक शिक्षा व्यवस्था और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में समझना एवं पुनर्स्थापित करना है।

एक साल में 95 महिलाओं को मिला 'स्वाभिमान' का रोजगार

ग्वालियर

जिले में महिला सशक्तिकरण की दिशा में शक्ति दीदी पहल एक मिसाल बनकर उभरी है। किसी ने वर्षों से संजोई अभिलाषा पूरी की, किसी ने स्वाभिमान के साथ बैंक का कर्ज चुकाया, तो किसी ने बच्चों की फीस भरकर उनके सपनों को नई उड़ान दी। यह सब संभव हुआ जिले की शक्ति दीदियों के आत्मविश्वास और मेहनत से। जिलाधीश रुचिका चौहान द्वारा जनवरी 2025 में शुरू की गई शक्ति दीदी पहल के एक वर्ष पूर्ण होने पर जिले में अब तक 95 जरूरतमंद महिलाओं को पेट्रोल पंपों पर फ्यूल डिलेवरी वर्कर के रूप में रोजगार उपलब्ध कराया जा चुका है। इसी क्रम में बुधवार 7 जनवरी को 6 और महिलाओं को शक्ति दीदी बनाया गया। जिलाधीश श्रीमती चौहान ने अलापुर तिराहा स्थित पेट्रोल पंप पर पहुंचकर सोनम और नीतू को पुष्पमाला व जैकेट पहनाकर शक्ति दीदी की जिम्मेदारी सौंपी और उनका हौसला बढ़ाया। इस अवसर पर सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास राहुल पाठक, सहायक आपूर्ति अधिकारी सौरभ जैन तथा पेट्रोल पंप संचालक उपस्थित रहे। इसके अलावा गिरवाई स्थित शिवहरे फिलिंग स्टेशन पर हेमलता जोशी, रायरू के कैप्टन उपाध्याय फिलिंग स्टेशन पर हर्षिता, तथा कम्पू क्षेत्र की सुविधा फ्यूल्स पर सुश्री रिंकी और मनीषा कुशवाह को शक्ति दीदी बनाया गया।

मांझी निषाद समाज की युवा मोर्चा कार्यकारणी गठित

ग्वालियर। अखिल भारतीय आदिवासी कश्यप कहार निषाद भोई समन्वय समिति के राष्ट्रीय संयोजक राजाराम कश्यप के आदेशानुसार

राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बाबा मार्तंड मांझी एवं युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज कुमार कश्यप द्वारा प्रदेश कार्यकारिणी का गठन किया है। जिसमे प्रदेश संयोजक इंदौर से देवी सिंह पहलवान गौड़ को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। प्रदेश महामंत्री तूफान केवट मंदसौर, प्रदेश सह संयोजक दिनेश रैकवार उज्जैन, सुनील केवट हरदा, उमेश कहार होशंगाबाद, समीर वर्मा भोपाल बने। प्रदेश मंत्री दीपक वर्मा खंडवा, मोहन मोरे बैतूल, राजेश केवट देवास, अरविंद रैकवार टीकमगढ़, प्रदेश कोषाध्यक्ष सौरभ बाथम भोपाल बने। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नरेश बाथम ग्वालियर नियुक्त हुए।

अग्रवाल समाज की संस्थाओं ने स्व. गर्ग को दी श्रद्धांजलि

ग्वालियर। मप्र चेंबर आफ कॉमर्स के पूर्व अध्यक्ष विष्णु प्रसाद गर्ग के निधन पर बुधवार को सायं सनातन धर्म मंदिर में ग्रेटर अग्रवाल समाज की ओर से विभिन्न संस्थाओं ने श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। अग्रवाल महासभा के अध्यक्ष सुरेश बंसल, पूर्व अध्यक्ष अशोक गोयल, यश गोयल, जगदीश मित्तल, सनातन धर्म मंडल के अध्यक्ष विजय गोयल, प्रधानमंत्री रमेश गोयल लल्ला, अजय गोयल, विनय अग्रवाल, वैश्य महासम्मेलन के मुकेश अग्रवाल, अनिल जैन, दीपक जैन, गोकुल बंसल,सत्येन्द्र गुप्ता, करौली वालान पंचायत के सुनील अग्रवाल सन्नी, राजीव वैश्य, सुनील गोयल, रवि गर्ग, हरीदास अग्रवाल, आरके खेतान, सतीश गोयल, मनोज सरावगी, उपनगर ग्वालियर से अशोक जैन, पूरनचंद, डॉ. रामबाबू गोयल, राजेश ऐरन, मनोज अग्रवाल बाबा आदि ने पुष्पांजलि अर्पित की। वहीं भाजपा नेता रामू तोमर, हिंदू महासभा के डॉ. जयवीर भारद्वाज, महेंद्र साहू, पत्रकार अजय मिश्रा भी उपस्थित रहे।

सफाई में लापरवाही पर अपर आयुक्त सख्त, वार्ड 52 में हाजिरी न मिलने पर डब्ल्यूएचओ को नोटिस

ग्वालियर

निगमायुक्त संघ प्रिय के निर्देशों के तहत ग्वालियर में सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने और कचरा ठीया समाप्त करने के लिए निगम प्रशासन अब सख्त रुख अपनाए हुए है। अपर आयुक्त स्वास्थ्य टी.प्रतीक राव ने बुधवार सुबह दक्षिण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 51 एवं 52 का औचक निरीक्षण कर साफ-सफाई व्यवस्था की हकीकत परखी।

निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य अधिकारी किशोर चौहान सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अपर आयुक्त ने मौके पर सफाई व्यवस्था देखी और संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में चेताया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वार्ड 51 में सफाई व्यवस्था संतोषजनक पाई गई, जबकि वार्ड 52 में गंभीर लापरवाही सामने आई। अपर आयुक्त द्वारा वार्ड 52 का हाजिरी रजिस्टर चेक किए जाने पर पाया गया कि सफाई कर्मचारियों की हाजिरी दर्ज ही नहीं की गई थी। इस पर वार्ड हेल्थ ऑफिसर ने सफाई दी कि सभी कर्मचारी ड्यूटी पर उपस्थित हैं, लेकिन हाजिरी नहीं लग पाई है। इस जवाब से असंतुष्ट होकर अपर आयुक्त टी.प्रतीक राव ने वार्ड हेल्थ ऑफिसर को तत्काल नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

इसके पूर्व अपर आयुक्त ने ग्वालियर पूर्व एवं दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के डिपो का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण में यह पाया गया कि सभी टिपर वाहन सुबह 7:30 बजे से पहले अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों में रवाना हो चुके थे, जिसे लेकर अपर आयुक्त ने संतोष जताया। अपर आयुक्त टी.प्रतीक राव ने दो टूक कहा कि सफाई व्यवस्था में लापरवाही करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सीए विद्यार्थियों ने किया औद्योगिक भ्रमण

ग्वालियर। पर्यावरण संरक्षण और विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए गतिमान एमवीआर इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड (कंपनी) ने एक अत्याधुनिक वाष्पीकरण संयंत्र विकसित किया है, जिसमें किसी भी प्रकार की बाहरी हीट एनर्जी का प्रयोग नहीं किया जाता। सीए विद्यार्थियों द्वारा बुधवार को इस इंडस्ट्रियल क्षेत्र का भ्रमण किया। कंपनी द्वारा विकसित यह तकनीक हीट एनर्जी के रिसाइक्लिंग सिद्धांत पर आधारित है, जिससे ऊर्जा की अधिकतम दक्षता सुनिश्चित होती है। इस संयंत्र की विशेषता यह है कि इसमें कूलिंग सिस्टम अथवा कूलिंग टावर की आवश्यकता नहीं होती, जिससे न केवल ईंधन की खपत समाप्त होती है बल्कि कूलिंग के लिए उपयोग होने वाले पानी की भी बचत होती है। इसके परिणामस्वरूप वायु प्रदूषण में कमी आती है और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायता मिलती है। इस मौके पर सीए पंकज शर्मा, विकुल सिंह, वंशिका, आलोक कुमार सिंह चौहान एवं संगीता चौहान आदि उपस्थित रहे।

संपत्तिकर वसूली को लेकर अपर आयुक्त ने ली बैठक

कर जमा नहीं करने वालों की संपत्तियां होंगी कुर्क, निगम करेगा नीलामी

ग्वालियर

संपत्तिकर वसूली के लक्ष्य को हर हाल में पूरा करने और बड़े बकायेदारों पर शिकंजा कसने के लिए नगर निगम प्रशासन ने सख्त तेवर अपना लिए हैं। अपर आयुक्त संपत्तिकर मुनीष सिंह सिकरवार ने ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र में उपायुक्त डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव, राजस्व निरीक्षकों एवं कर संग्रहकों के साथ समीक्षा बैठक कर प्रभावी वसूली के स्पष्ट निर्देश दिए।

बालभवन सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में अपर आयुक्त श्री सिकरवार ने दो टूक शब्दों में कहा कि नगर निगम को इस वित्तीय वर्ष में 150 करोड़ रुपए से अधिक का संपत्तिकर हर हाल में वसूल करना है। इसके लिए शासकीय संपत्तियों सहित शहर के सभी बड़े बकायेदारों से शत-प्रतिशत कर वसूली की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि नोटिस के बाद भी कर जमा नहीं करने वालों की संपत्तियां कुर्क कर नगर निगम द्वारा नीलामी की कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त संपत्तिकर डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव ने बताया कि बैठक में प्रत्येक राजस्व निरीक्षक को अपने क्षेत्र में कम से कम 10-10 संपत्तियों के कुर्की प्रकरण तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। बड़े बकायेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए नियमानुसार भवनों पर ताला बंदी की कार्रवाई भी की जाएगी।

अपर आयुक्त श्री सिकरवार ने साफ कहा कि वसूली कार्य में किसी भी प्रकार की ढिलाई या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जो अधिकारी या कर्मचारी लक्ष्य पूर्ति में कोताही बरतेंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई का प्रस्ताव निगमायुक्त संघ प्रिय को भेजा जाएगा।

कांग्रेस खेल एवं खिलाड़ी प्रकोष्ठ के धर्मेन्द्र ठाकुर बने जिलाध्यक्ष

ग्वालियर। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी ने संगठनात्मक विस्तार के तहत खेल एवं खिलाड़ी प्रकोष्ठ में नई नियुक्तियों की घोषणा की है। इसी क्रम में ग्वालियर से कांग्रेस के सक्रिय कार्यकर्ता धर्मेन्द्र ठाकुर को

खेल एवं खिलाड़ी प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से ग्वालियर कांग्रेस संगठन और खेल जगत से जुड़े कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। यह नियुक्ति मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार तथा संगठन प्रभारी महासचिव डॉ. संजय कमले की सहमति से की गई है। खेल एवं खिलाड़ी प्रकोष्ठ के संयोजक नवीन खान एवं प्रदेश अध्यक्ष डॉ. प्रशांत मिश्रा द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव को स्वीकृति देते हुए जिलाध्यक्षों की सूची जारी की गई, जिसमें ग्वालियर से धर्मेन्द्र ठाकुर का नाम शामिल है। नियुक्ति की घोषणा के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं खेल प्रेमियों ने धर्मेन्द्र ठाकुर को बधाई दी। वहीं, धर्मेन्द्र ठाकुर ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे मिली जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगे।

सम्पादकीय

एक बेतुका आदेश

हाल के दिनों में देश की शीर्ष अदालत से लेकर आम विमर्श तक में आवारा कुत्तों का मामला सुर्खियों में रहा है। इस संवेदनशील, जटिल व विवादास्पद मुद्दे से जुड़े कई तरह के अंतर्विरोध सामने आ रहे हैं। लेकिन इस कड़ी में बिहार के एक नगर निगम के बेतुके फरमान को लेकर आलोचना की जा रही है। यह निर्णय न केवल बेतुका है बल्कि हास्यास्पद भी है। बिहार के सासाराम के नगर निगम ने शिक्षकों से सड़कों में घूमने वाले आवारा कुत्तों की गिनती करने को कहा है। दरअसल, अदालत के निर्देशों के अनुरूप स्थानीय निकायों की इस बाबत जवाबदेही तय की गई है। सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता पर उठ रहे सवालों व गिरते परीक्षा परिणाम के बावजूद शिक्षकों को गैर-शिक्षण कार्यों में लगाना दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। वहीं दूसरी ओर हर छोटे-बड़े सरकारी अभियान में शिक्षकों की जिम्मेदारी लगाना प्रशासनिक विफलता को भी उजागर करता है। कभी जनगणना, कभी चुनावी ड्यूटी तो कभी आपदा सर्वेक्षण, और अब कुत्तों की गिनती का बेतुका काम शिक्षकों के जिम्मे लगा दिया गया है। दरअसल, बिहार के शिक्षक विषम परिस्थितियों के चलते पहले ही अत्यधिक दबाव में हैं। जिसके कारण वे शैक्षणिक जिम्मेदारियों व गैर-शिक्षण दायित्वों के लगातार बढ़ते बोझ के बीच संतुलन बनाने के लिये संघर्ष कर रहे हैं। इसमें दो राय नहीं है कि हर इस तरह का व्यवधान कक्षा के समय, पाठ योजना और छात्रों की सहभागिता को गहरे तक प्रभावित करता है। निश्चित रूप से प्राथमिक शिक्षा बच्चे के विकास की नींव रखती है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि बिहार के स्कूलों का परीक्षा परिणाम बेहद निराशाजनक रहता है। वर्षों से पेश की जा रही एएसईआर रिपोर्टों में कई बार उजागर किया गया है कि बिहार के स्कूलों का परीक्षा परिणाम देश में सबसे कमजोर रहा है। जो कि एक चिंता का विषय बना हुआ है। ऐसे में जब पहले ही बिहार के स्कूलों का परीक्षा परिणाम निराशाजनक रहता है तो शिक्षकों को एक और गैर-शैक्षणिक कार्य के लिये कक्षाओं से बाहर निकालना, निस्संदेह शिक्षा व्यवस्था के लिए आत्मघाती कदम ही कहा जाएगा। इससे भी बुरी बात यह है कि यह आदेश कई वास्तविक खतरों से भरा है। आवारा कुत्तों की गिनती करना शिक्षण के कागजी कार्य के समान सहज नहीं है। निश्चित रूप से अनेक शिक्षक ऐसे होंगे जो कुत्तों से डरते भी होंगे। खासकर शिक्षिकाओं के लिये यह कार्य खासा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। कुछ लोग इस गणना प्रक्रिया में वास्तविक खतरे का सामना भी कर सकते हैं। इस बात का संकेत शीर्ष अदालत की टिप्पणी में भी मिलता है। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया था कि किसी कुत्ते के मन को पढ़ना या यह अनुमान लगाना असंभव है कि कोई जानवर कब आक्रामक हो जाएगा। निश्चित रूप से अप्रशिक्षित शिक्षकों को ऐसे कार्य करने के लिए कहना, उनकी सुरक्षा के लिये भी चुनौती होगी। खासकर तब जब आवारा कुत्तों के काटने की घटनाएं और रेबीज से होने वाली जीवन क्षति सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिये चिंता का विषय बनी हुई हैं। ऐसे में नगर निगम के आदेश की तार्किकता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय ने पशु जन्म नियंत्रण और जन सुरक्षा उपायों को लागू करने में नगरपालिकाओं की विफलता पर सवाल उठाए थे। जिसके बाद एक स्थानीय निकाय ने अपनी मूल जिम्मेदारी शिक्षकों पर थोपकर इसका जवाब दिया है। निश्चित रूप से यह अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने जैसा है। निर्विवाद रूप से इस बेतुके आदेश को तत्काल प्रभाव से रद्द करने की जरूरत है। सही मायनों में नगरपालिका के अधिकारियों को अपना काम करना चाहिए और शिक्षकों को भी अपना काम करने की आजादी दी जानी चाहिए। यह समस्या केवल शिक्षकों की ही नहीं है बल्कि यह हमारे नौनिहालों के भविष्य से खिलवाड़ करने जैसा है। ऐसे में शिक्षकों को शिक्षण कार्य के अलावा अन्यत्र काम सौंपना, कहीं न कहीं छात्रों और छात्राओं को शिक्षा पाने के अधिकार से वंचित करने जैसा भी है।

बिजली बन तो रही है, पर रास्ता नहीं..!

भारत तेजी से हरित ऊर्जा उत्पादन की ओर बढ़ रहा है। हालांकि, ट्रांसमिशन व्यवस्था की कमी इस प्रगति में एक बड़ी रुकावट बनती जा रही है। बिजली बनने के बाद भी वह उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंच पा रही है। देश में बिजली की जरूरत हर साल बढ रही है। खेतों की सिंचाई हो, छोटे उद्योग हों या घरों की रोशनी-बिजली के बिना काम नहीं चलता। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण के लिए हरित ऊर्जा पर जोर देना आवश्यक है। इसी जरूरत को देखते हुए भारत तेजी से सौर और पवन ऊर्जा की ओर बढ़ रहा है। सरकार ने लक्ष्य रखा है कि साल 2030 तक देश में 500 गीगीवॉट गैर-जीवाश्म ऊर्जा तैयार की जाए। राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और लद्दाख जैसे इलाकों में बड़े पैमाने पर सोलर और पवन बिजलीघर लगाए जा रहे हैं यह देश के लिए अच्छी बात है। लेकिन इसी के साथ एक गंभीर समस्या भी सामने आ रही है। बिजली तैयार, फिर भी बंद क्यों? कई जगह ऐसा हो रहा है कि बिजलीघर पूरी तरह तैयार है, सूरज चमक रहा है, हवा चल रही है, फिर भी बिजली का उत्पादन घटाना पड़ रहा है या बंद करना पड़ रहा है। इसकी वजह है ट्रांसमिशन लाइन-यानी वह व्यवस्था जो बिजली को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाती है, में असंतुलन और क्षमता में कमी। अगर बिजली बनाने का काम पहले पूरा हो जाए और लाइन बाद में बने, जो बनी हुई बिजली को आगें भेजा ही नहीं जा सकता। इसी मजबूरी को तकनीकी भाषा में श्कर्टेलमेन्टश कहा जाता है-यानी बिजली होते हुए भी उसका इस्तेमाल न हो पाना। इसके फलस्वरूप बिजली बनाने वाले डेवलपर्स को काफी हानि होती है, और कर्ज का बोझ बढ़ता रहता है। कहां-कहां हो रही है यह दिक्कत? राजस्थान में हाल के महीनों में कई बार सोलर और पवन बिजली का बड़ा हिस्सा ग्रिड में नहीं लिया जा सका। गुजरात और महाराष्ट्र में भी बिजली तैयार होने के बावूजद उत्पादन घटाना पड़ा। लद्दाख जैसे दूरस्थ इलाकों में आने वाले समय के लिए ट्रांसमिशन की तैयारी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। इसका सीधा मतलब है-स्वच्छ बिजली की बबार्दी और देश को नुकसान। ग्रिड मजबूत है, लेकिन ट्रांसमिशन में असंतुलन और दबाव बढ़ गया है। यह सच है कि भारत का राष्ट्रीय बिजली ग्रिड दुनिया के सबसे बड़े और मजबूत ग्रिड़ों में से एक है। पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने वर्षों तक देश को जोड़ने वाली बिजली लाइनों का मजबूत जाल खड़ा किया है। इसमें उनकी भूमिका सराहनीय रही है। लेकिन अब हालात बदल गए हैं। आज नवीकरणीय परियोजनाएं बहुत तेजी से बन रही हैं। एक साथ कई राज्यों में काम चल रहा है। कई बड़े प्रोजेक्ट एक-दूसरे पर निर्भर है। ऐसे में अगर किसी एक लाइन या परियोजना में देरी हो जाए, तो उसका असर कई बिजलीघरों पर पड़ता है। यह किसी एक संस्था की कमी नहीं, बल्कि काम के बढ़ते बोझ की हकीकत है। कई कारणों से पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन को 50 से अधिक काम मिला हुआ है, जबकि अन्य कई ट्रांसमिशन कंपनियों के पास अधिक काम नहीं है, और असंतुलन बना हुआ है। जमीन और अनुमति की मुश्किलें ट्रांसमिशन लाइन बनाना आसान नहीं है इसके लिए किसानों की जमीन से लाइन निकालनी पड़ती है। जंगल और पर्यावरण से जुड़ी मंजूरी लेनी होती है। कई जिलों और राज्यों से होकर लाइन जाती है। हर जगह अलग नियम और अलग प्रक्रिया होती है। इसी कारण कई बार ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट एक-दो साल तक लेट हो जाते हैं। आखिर नुकसान किसका होता है? जब बिजलीघर तैयार हैं, लेकिन लाइन नहीं, तो बिजली बनाने वालों को आर्थिक नुकसान होता है। निवेश करने वाले हिचकिचाने लगते हैं और आम आदमी तक सस्ती, साफ बिजली नहीं पहुंच पाती। कुछ कंपनियों ने तो नियामक आयोग में यह दावा किया है कि ट्रांसमिशन में देरी और कर्टेलमेन्ट से उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। समाधान क्या है? इस समस्या का हल समय रहते निकाला जा सकता है। पहला, काम का बंटवारा-जहां संभव हो, ट्रांसमिशन के काम में ज्यादा कंपनियों को मौका मिले, ताकि काम का बोझ बंटे और देरी कम हो। प्रतिस्पर्धा के लिए भी यह आवश्यक है। दूसरा, जल्दी मंजूरी-जमीन और अन्य अनुमतियों के लिए एक ही जगह से, तय समय में मंजूरी की व्यवस्था हो। तीसरा, पहले से तैयारी-जहां बड़े सोलर या पवन पार्क बनने हैं, वहां ट्रांसमिशन लाइन का काम पहले या साथ-साथ शुरू हो। चौथा, स्थानी उपाय-बैटरी स्टोरेज और बेहतर प्रबंधन से कुछ बिजली को वहीं इस्तेमाल या सुरक्षित किया जा सकता है। निष्कर्षः हरित ऊर्जा भारत के भविष्य के लिए बेहद जरूरी है लेकिन सिर्फ बिजली बनाना ही काफी नहीं, उसे सही समय पर सही जगह पहुंचाना भी उतना ही जरूरी है। यह समय आरोप लगाने का नहीं, बल्कि देश के हित में मिलकर समाधान खोजने का है, ताकि किसानों की जमीन का सही इस्तेमाल हो, निवेशकों का भरोसा बना रहे और आम आदमी तक सस्ती और साफ बिजली पहुंच सके। जब ट्रांसमिशन ग्रिड मजबूत और सुचारू होगा, तभी हरित भारत और देश के तीव्र विकास का सपना सच होगा।

बिजली तैयार, फिर भी बंद क्यों? कई जगह ऐसा हो रहा है कि बिजलीघर पूरी तरह तैयार है, सूरज चमक रहा है, हवा चल रही है, फिर भी बिजली का उत्पादन घटाना पड़ रहा है या बंद करना पड़ रहा है। इसकी वजह है ट्रांसमिशन लाइन-यानी वह व्यवस्था जो बिजली को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाती है, में असंतुलन और क्षमता में कमी। अगर बिजली बनाने का काम पहले पूरा हो जाए और लाइन बाद में बने, जो बनी हुई बिजली को आगें भेजा ही नहीं जा सकता। इसी मजबूरी को तकनीकी भाषा में श्कर्टेलमेन्टश कहा जाता है-यानी बिजली होते हुए भी उसका इस्तेमाल न हो पाना। इसके फलस्वरूप बिजली बनाने वाले डेवलपर्स को काफी हानि होती है, और कर्ज का बोझ बढ़ता रहता है। कहां-कहां हो रही है यह दिक्कत? राजस्थान में हाल के महीनों में कई बार सोलर और पवन बिजली का बड़ा हिस्सा ग्रिड में नहीं लिया जा सका। गुजरात और महाराष्ट्र में भी बिजली तैयार होने के बावूजद उत्पादन घटाना पड़ा। लद्दाख जैसे दूरस्थ इलाकों में आने वाले समय के लिए ट्रांसमिशन की तैयारी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। इसका सीधा मतलब है-स्वच्छ बिजली की बबार्दी और देश को नुकसान। ग्रिड मजबूत है, लेकिन ट्रांसमिशन में असंतुलन और दबाव बढ़ गया है। यह सच है कि भारत का राष्ट्रीय बिजली ग्रिड दुनिया के सबसे बड़े और मजबूत ग्रिड़ों में से एक है। पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने वर्षों तक देश को जोड़ने वाली बिजली लाइनों का मजबूत जाल खड़ा किया है। इसमें उनकी भूमिका सराहनीय रही है। लेकिन अब हालात बदल गए हैं। आज नवीकरणीय परियोजनाएं बहुत तेजी से बन रही हैं। एक साथ कई राज्यों में काम चल रहा है। कई बड़े प्रोजेक्ट एक-दूसरे पर निर्भर है। ऐसे में अगर किसी एक लाइन या परियोजना में देरी हो जाए, तो उसका असर कई बिजलीघरों पर पड़ता है। यह किसी एक संस्था की कमी नहीं, बल्कि काम के बढ़ते बोझ की हकीकत है। कई कारणों से पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन को 50 से अधिक काम मिला हुआ है, जबकि अन्य कई ट्रांसमिशन कंपनियों के पास अधिक काम नहीं है, और असंतुलन बना हुआ है। जमीन और अनुमति की मुश्किलें ट्रांसमिशन लाइन बनाना आसान नहीं है इसके लिए किसानों की जमीन से लाइन निकालनी पड़ती है। जंगल और पर्यावरण से जुड़ी मंजूरी लेनी होती है। कई जिलों और राज्यों से होकर लाइन जाती है। हर जगह अलग नियम और अलग प्रक्रिया होती है। इसी कारण कई बार ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट एक-दो साल तक लेट हो जाते हैं। आखिर नुकसान किसका होता है? जब बिजलीघर तैयार हैं, लेकिन लाइन नहीं, तो बिजली बनाने वालों को आर्थिक नुकसान होता है। निवेश करने वाले हिचकिचाने लगते हैं और आम आदमी तक सस्ती, साफ बिजली नहीं पहुंच पाती। कुछ कंपनियों ने तो नियामक आयोग में यह दावा किया है कि ट्रांसमिशन में देरी और कर्टेलमेन्ट से उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। समाधान क्या है? इस समस्या का हल समय रहते निकाला जा सकता है।

पंडित नेहरू सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के विरुद्ध थे

तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने सोमनाथ मंदिर के निर्माण का विरोध करते हुए 17 से अधिक पत्र लिखे थे। राष्ट्रपति तथा कैबिनेट मंत्रियों को लिखे पत्रों में उन्होंने सोमनाथ मंदिर के पुननिर्माण की जरूरत पर प्रश्न उठाया था और उन्हें इसके उद्घाटन समारोह में शामिल होने से बहुत हतोत्साहित किया था। उन्होंने सरकारी संचार माध्यमों को निर्देश दिया कि समारोह की कवरेज कम से कम की जाए। उन्होंने भारतीय दूतावासों को भी निर्देश दिए कि वह सोमनाथ ट्रस्ट को सहायता प्रदान न करें। कुल मिलाकर इन पत्रों ने पंडित जवाहर लाल नेहरू के सोमनाथ मंदिर के पुननिर्माण के विरोध तथा सहजता को प्रदर्शित किया। 21 अप्रैल 1951 को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री लियाकत अली खान को लिखे पत्र में जवाहर लाल नेहरू ने उन्हें आश्वस्त किया कि सोमनाथ के द्वारों को लेकर गढ़े जा रहे अख्यान पूरी तरह से गलत हैं और इस बात पर जोर दिया कि ऐसा कुछ नहीं हो रहा। 28 अप्रैल 1951 को भारत के तत्कालीन सूचना एवं प्रसारण मंत्री आर.आर. दिवाकर को लिखे पत्र में जवाहर लाल नेहरू ने सूचना व प्रसारण मंत्रालय को सोमनाथ मंदिर के निर्माण संबंधी कवरेज बारे प्रचार को निम्नतम करने को कहा और कहा कि यह समारोह विश्व में भारत की छवि को क्षति पहुंचा रहा है। उन्होंने 2 मई 1951 को राज्यों के मुख्यमंत्रियों को 2 पत्र लिखे जिनमें उन्होंने अथाह जन समर्थन तथा अपने खुद के सहयोगियों की शमूलियत का सम्मान न करते हुए उनसे कहा कि भारत सरकार सोमनाथ मंदिर से संबंधित समारोहों से खुद को दूर रख रही है। 1 अगस्त 1951 को मुख्यमंत्रियों को लिखे अपने पत्र में जवाहर लाल नेहरू ने सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन समारोह को लेकर किए जा रहे जोरदार प्रचार को भारत की धर्मनिरपेक्ष की छवि को कमजोर करने वाला बताया और कहा कि इससे विदेशों में बहुत बुरा प्रभाव जा रहा है। पाकिस्तान के विद्वेषपूर्ण प्रोपेगंडा पर प्रश्न उठाने की बजाय उन्होंने तर्क दिया कि सोमनाथ का पुनघ्नर्माण भारत की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचा रहा है। उन्होंने 20 जुलाई 1950 को तत्कालीन केंद्रीय खाद्य एवं कृषि मंत्री के.एम. मुंशी को लिखे पत्र में प्रश्न उठाया कि सोमनाथ मंदिर का निर्माण क्यों किया जाना चाहिए, जबकि देश में आवासों की कमी है तथा आघ्थक स्थिति खराब है। 13 जून 1951 को उप-राष्ट्रपति ड़ा. एस. राधाकृष्णन को लिखे अपने पत्र में उन्होंने सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन समारोह को एक अनावश्यक कोलाहल बताया और स्वीकार किया कि उन्होंने कैबिनेट मंत्रियों को इसमें शामिल होने से रोकने का प्रयास किया था। 17 अप्रैल 1951 को चीन में भारत के राजदूत के.एम. पाणिक्कर को लिखे अपने पत्र में नेहरू ने खुले तौर पर स्वीकार किया कि उन्होंने सोमनाथ मंदिर में राष्ट्रपति के दौरे के प्रभावों को कम करने का प्रयास किया था। तत्कालीन सौराष्ट्र के मुख्यमंत्री यू.एन. धेबार को 21 अप्रैल 1951 को लिखे पत्र में जवाहर लाल नेहरू ने सोमनाथ मंदिर समारोह के लिए इस्तेमाल किए जा रहे सरकारी फंड पर आपत्ति जताई तथा तर्क दिया कि मंदिर एक सरकारी मामला नहीं है। 22 अप्रैल 1951 को नवानगर के जाम साहिब दिग्विजय सिंह जी को लिखे पत्र में जवाहर लाल नेहरू ने सोमनाथ ट्रस्टियों के पवित्र नदियों के जल तथा मिट्टी के लिए विदेशी मिशनों तक पहुंचने पर चिंता व्यक्त करते हुए तर्क दिया कि इससे एक गलत सरकारी धारणा बनती है। उन्होंने इसे एक निजी मामला बताते हुए भारत सरकार को इससे दूर रखा। यहां तक कि सौराष्ट्र सरकार की भी इससे जुडने और सरकारी फंडों को खर्च करने को लेकर आलोचना की। दो दिन बाद ही जाम साहिब को ही 24 अप्रैल 1951 को लिखे पत्र में उन्होंने खुले तौर पर सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन समारोह को नव जागरणवाद बताते हुए इसकी खुल कर आलोचना की और चेतावनी दी कि राष्ट्रपति तथा मंत्रियों का इसमें शामिल होना राष्ट्र तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बुरे प्रभाव डालेगा। 17 अप्रैल 1951 को विदेशी मामलों के मंत्रालय में महासचिव तथा विदेश सचिव को लिखे पत्र में जवाहर लाल नेहरू ने निर्देश दिया कि दूतावासों को सोमनाथ ट्रस्ट की ओर से पवित्र नदियों के पानी को लेकर किए गए आवेदन पर जरा भी ध्यान न दिया जाए, जो स्पष्ट दशार्ता है कि हिंदू धार्मिक गतिविधियों से वह कितने असहज थे। 9 मई 1951 को विदेश मंत्रालय के सचिव एस. दत्त को लिखे पत्र में जवाहर लाल नेहरू ने इस समारोह के साथ भारत सरकार की किसी भी तरह की संबंधता को लेकर अपनी नाखुशी जाहिर की। पाकिस्तान में भारत के उच्चायुक्त खूब चंद को 19 मार्च 1951 को लिखे अपने पत्र में पं. नेहरू ने सोमनाथ के अभिषेक के लिए सिंधु नदी के जल के इस्तेमाल को औपचारिक रूप से अस्वीकार कर दिया और विदेश सचिव के माध्यम से यह संदेश भिजवाया कि इस याचना को उनकी स्वीकृति नहीं है। 2 मार्च 1951 को राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद को लिखे पत्र में जवाहर लाल नेहरू ने पूर्ण खुले तौर पर स्वीकार किया कि उन्हें सोमनाथ के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रपति का शामिल होना बिल्कुल पसंद नहीं। केंद्रीय गृहमंत्री सी. राजगोपालाचारी को 11 मार्च 1951 को लिखे पत्र में पं. नेहरू ने सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रपति के शामिल होने का खुलकर विरोध किया।

अमर्त्य सेन को नोटिस, अब यही बचा था

पिछले साल अगस्त में नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) पर चिंता व्यक्त करते हुए चेतावनी दी थी कि यदि इस प्रक्रिया को संवेदनशीलता से नहीं संभाला गया तो बड़ी संख्या में गरीब और हाशिए पर रहने वाले लोग मताधिकार से वंचित हो सकते हैं। श्री सेन ने उस नौकरशाही प्रक्रिया की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाया था जो नागरिकों से सख्त दस्तावेजी साक्ष्य मांगती है, जबकि शायद उनके पास वे दस्तावेज उपलब्ध न हों। उन्होंने कहा था कि श्प्रशासनिक प्रक्रियाएं और समय-समय पर संशोधन आवश्यक हैं, लेकिन ये मौलिक अधिकारों की कीमत पर नहीं होने चाहिए। अमर्त्य सेन ने कहा था कि कई लोगों के पास दस्तावेज नहीं हैं। कई लोग वोट नहीं दे सकते... अगर हालात को थोड़ा सुधारने के नाम पर कई लोगों को नुकसान पहुंचाया जाता है, तो यह एक गंभीर गलती बन जाती है, सिर्फ एक गलती को सुधारने के लिए सात नयी गलतियां करना जायज नहीं ठहराया जा सकता। एसआईआर पर ऐसी नकारात्मक टिप्पणी पहली बार नहीं हुई थी, देश का विपक्ष लगातार इन्हीं सवालों को उठाते आया है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तो बाकायदा वोटर अधिकार यात्रा ही इस मुद्दे पर निकाल दी और साथ ही चुनाव आयोग के सामने वोट चोरी के सबूत भी पेश किए। जिस पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने राहुल गांधी को हलफनामा दाखिल करने कहा। अमर्त्य सेन से ऐसी कोई मांग नहीं की गई, लेकिन उन्हें प.बंगाल की एसआईआर प्रक्रिया के दौरान नोटिस भेजकर आयोग के सामने पेश होने कहा गया। जी हां, नरेन्द्र मोदी के राज में अब ये भी मुमकिन है कि नोबेल पुरस्कार से सम्मानित व्यक्ति को नाम की वर्तनी गलत होने के नाम पर चुनाव आयोग नोटिस भेज सकता है। जब एक नोबेल विजेता और विश्व विख्यात नागरिक के साथ भारत सरकार का सलूक ऐसा है, तो फिर आम आदमी के लिए वह कितनी हेय दृष्टि रहती है, इसका अंदाज लगाया जा सकता है। प.बंगाल में एसआईआर को लेकर कई किस्म के विवाद सामने आ रहे हैं। सत्तारुढ़ टीएमसी ने दावा किया है कि बूढ़े और बीमार लोगों तक को चुनाव आयोग नोटिस भेजकर परेशान कर रहा है। आरोप है कि कम से कम 70 लोगों की मौत इस प्रक्रिया की वजह से हो चुकी है। ये बेहद गंभीर बात है और सुप्रीम कोर्ट इन मौतों पर स्वतरू संज्ञान लेकर नए सिरे से चुनाव आयोग से पूछताछ करेगा ऐसी उम्मीद है। बहरहाल, आम लोगों को परेशान करने और अकाल मौतों के आरोपों के बीच एक नया विवाद अमर्त्य सेन को नोटिस जारी करने पर खड़ा हो गया। टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने इस पर सवाल उठाए तो चुनाव आयोग ने इसे टाइपो की गलती बताया और नोटिस जारी करने वाले बीएलओ को सस्पेंड कर दिया। हालांकि कायदे से इसमें ज्ञानेश कुमार को दो पंक्ति का ही सही लेकिन खेद प्रकट करना चाहिए था। तृणमूल कांग्रेस ने सही कहा कि अमर्त्य सेन को नोटिस जारी करना बंगाल और भारत को वैश्विक पहचान दिलाने वाले एक महान व्यक्तित्व का अपमान है। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि अमर्त्य सेन को दिया गया नोटिस दशार्ता है कि कैसे बंगाल में प्रभावशाली आवाजों को व्यवस्थित रूप से निशाना बनाया जा रहा है। इससे पहले अभिनेता देव और क्रिकेटर मोहम्मद शमी को भी नोटिस भेजे गए थे। मानो उपलब्धि, ईमानदारी और गरिमा का अब कोई महत्व ही नहीं रह गया हो। नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन ने भारत की बौद्धिक संपदा और मूल्यों को विश्व मंच पर पहुंचाया। आज, उनके कद का एक सार्वजनिक व्यक्ति भी भाजपा नियंत्रित चुनाव आयोग के हाथों अपमानित हो रहा है। ध्यान रहे कि नोबेल पुरस्कार विजेता की दिवंगत माता अमिता सेन, 2002 में बंगाल में हुए एसआईआर (जनगणना) के दौरान मतदाता सूची में थीं। अमर्त्य सेन ने 2014 में बंगाल में मतदाता के रूप में पंजीकरण कराया था और उसी वर्ष लोकसभा चुनाव में मतदान किया था। जब राज्य में एसआईआर प्रक्रिया 4 नवंबर को शुरू हुई, तो सेन के नाम से एक एसआईआर जनगणना प्रपत्र जारी किया गया। उनके चचेरे भाई संताभानु सेन ने भरा हुआ प्रपत्र बीएलओ (राज्य परिवहन अधिकारी) को जमा कर दिया। एसआईआर में अमर्त्य सेन के नाम की वर्तनी में अंतर पाया गया था। इसी पर नोटिस भेजा गया। हालांकि अब चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि सेन को गलती सुधारने के लिए बीरभूम जिले के बोलपुर स्थित निर्धारित कार्यालय में उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं है। आयोग ने कहा कि एक बीएलओ (चुनाव अधिकारी) हार्वर्ड के अर्थशास्त्री सेन के पैतृक निवास शांति निकेतन स्थित प्रतीची जाकर आवश्यक कार्रवाई करेगा। चुनाव आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बूथ लेवल ऑफिसर को मतदाता सूची में नाम की वर्तनी जैसी छोटी गलतियों को सुधारने का अधिकार है। इसलिए अमर्त्य सेन के मामले में भी सुधार प्रशासनिक स्तर पर ही किया जाएगा। बता दें कि आयोग ने निर्देश दिए हैं कि मतदाता सूची में किसी भी तरह की विसंगति से जुड़े नोटिस तुरंत डाउनलोड कर चार से पांच दिनों के भीतर संबंधित मतदाताओं तक पहुंचाए जाएं। इस काम में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस निर्देश के हिसाब से तो बीएलओ ने सही कार्रवाई की, लेकिन उसे सस्पेंड किया गया।

पर्वों का संगम: जीवन में सहज-सजग शुरुआत का आनंद

संगीता मित्तल

नववर्ष जब लोहड़ी और मकर संक्रांति के साथ दस्तक देता है, तो समय मानो एक क्षण ठहरकर हमें कुछ याद दिलाने आता है। आंगनों में जलती लोहड़ी की अग्नि, अन्न की सांझेदारी, सूर्य का उत्तरायण होना-ये केवल पर्व नहीं, जीवन के संतुलन के संकेत हैं। यह संयोग हमें बताता है कि जीवन में सच्ची शुरूआत कभी हड़बड़ी से नहीं होती, वह हमेशा लय और सजगता से जन्म लेती है। नया साल हमसे तेज दौडने की मांग नहीं करता। वह हमसे सजग होकर मंजिल तक पहुंचने को प्रेरित करता है। लेकिन हर जनवरी के साथ हमारे मन में एक अजीब-सी बेचैनी घर कर जाती है-और बेहतर, और तेज, और अधिक साबित करने की होड़ में हड़बड़ी। लक्ष्य ऊंचे करने, टाइम-टेबल ठूंसने और साल के शुरूआती दिनों में ही उपलब्धियां दिखाने का दबाव। जैसे समय स्वयं हमसे हिसाब मांग रहा हो। जबकि सच्ची शुरूआत कभी दबाव में नहीं होती। वह तब होती है, जब हड़बड़ी की जगह सजगता हो, जब गति से पहले संतुलन बनाया जाए। आज की अधिकांश महत्वाकांक्षाएं प्रेरणा से नहीं, तुलना से जन्म लेती हैं। हम उधार की समय-सीमाओं और परिभाषाओं में सफलता को नापने लगे हैं। ऐसी परिभाषाएं, जो हमारे जीवन के भीतर की ऋतु, लय और सीमा को शायद ही मानती हों। नतीजा यह है कि जनवरी के अंत में ही बहुत से लोग थक चुके होते हैं। यह थकान अनुशासन की कमी नहीं, सुनने व समझने की कमी का परिणाम है। यह असफलता नहीं, असंतुलन है। कर्म समस्या नहीं है। बिना भीतर टिके किया गया कर्म ही कई बार संकट का रूप ले लेता है। सजगता रहित महत्वाकांक्षा शोर बन जाती है। वह आगे तो धकेलती है, पर यह नहीं पूछती कि दिशा सही है या नहीं। सजगता महत्वाकांक्षा को समाप्त नहीं करती, बल्कि उसे शुद्ध करती है। पर्वों में छिपा जीवन-विज्ञान रू भारत के फसल पर्व इसी समय आते हैं-यह संयोग नहीं, संकेत है। ये पर्व हमें बिना उपदेश दिए सिखाते हैं कि जीवन केवल

महत्वाकांक्षा से नहीं, संतुलन से चलता है। अग्नि शुद्ध करती है। भोजन पोषण देता है और संतुलन उपचार करता है। जब हम अग्नि को कृतज्ञता से, भोजन को संयम से और शरीर को लय से सम्मान देते हैं, तो मन स्वतरू स्थिर होने लगता है। ये पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य की गहरी समझ हैं। लोहड़ी हमें सिखाती है कि जो पक चुका है, जो भारी हो गया है, उसे छोड़ देना चाहिए। मकर संक्रांति का संदेश है कि रोशनी की ओर मुडना अचानक नहीं, धीरे.धीरे होता है। दोनों मिलकर एक शाश्वत सत्य कहते हैं-विकास कठोर होना जरूरी नहीं। परिवर्तन जल्दबाजी में नहीं होता और सजग प्रगति अंततरू शांति बन जाती है। सजगता को अक्सर जीवन से पलायन समझ लिया जाता है। जबकि सच यह है कि सजगता जीवन से सबसे गहरा संवाद है। अपनी सांस, थकान और इच्छा को बिना जजमैंट देख पाना-यह आत्मिक ईमानदारी है और वही साहस है। आधुनिक विज्ञान भी अब मानता है कि जब कर्म विवशता से नहीं, सजगता से उपजता है, तो मन स्थिर होता है, प्रतिक्रियाएं नरम पड़ती हैं और स्पष्टता जन्म लेती है। सहज शुरूआत धीमी इसलिए नहीं होती कि उसमें ऊर्जा कम है, बल्कि इसलिए कि उसमें दिशा का सम्मान होता है। जब हम नया साल सजगता से शुरू करते हैं, तो सवाल बदल जाते हैं। मैं कितना हासिल कर सकता हूं की जगह क्या आवश्यक है सामने आता है। सहजता कमजोरी नहीं है। वह बिना हिंसा की शक्ति है। आज की थकान शारीरिक से अधिक मानसिक है। कठोर आत्मसंवाद, अवास्तविक अपेक्षाएं और निरंतर स्वयं पर निगरानी-इनमें कोई भी जीवित तंत्र फलता-फूलता नहीं। श्रीमद् भगवत गीता यहां भी करुणा से मार्ग दिखाती है-उद्धरेदात्मनाऽत्मानं अर्थात स्वयं को स्वयं उठाओ, गिराओ मत। जैसे बीज केवल कोमल मिट्टी में फूटता है, वैसे ही भीतर का परिवर्तन सुरक्षा और करुणा में होता है। सफलता की नई परिभाषा रू बर्नआऊट, चिंता और भावनात्मक दूरी व्यक्तिगत असफलता नहीं, सामूहिक संकेत हैं। ये बताते हैं कि हमारी सफलता की मौजूदा परिभाषा मानव स्वभाव से मेल नहीं खा रही। उपस्थिति के बिना उत्पादकता खोखली है। भीतर के आधार के बिना उपलब्धि टिकती नहीं। सजगता को चुनना लक्ष्य छोडना नहीं है। यह लक्ष्य को भय की जगह स्पष्टता से आगे बढने देना है। नववर्ष और लोहड़ी-मकर संक्रांति (उत्तरायण) के इस संगम पर शायद सबसे बड़ा संकल्प यह हो सकता है कि हम समय को जीतने नहीं, समझने की कोशिश करें। बोलने से पहले देखें। तय करने से पहले सुनें। आगे बढ़ें, पर भीतर आक्रामकता के बिना।

दुद्धी से सपा विधायक विजय सिंह गोंड का निधन, लंबे समय से चल रहे थे बीमार

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में दुद्धी विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी (सपा) विधायक विजय सिंह गोंड का गुरुवार को लखनऊ के संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) में निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ थे और उनका इलाज चल रहा था। संस्थान की जनसंपर्क अधिकारी कुसुम यादव के मुताबिक, मल्टी आर्गन फेल्योर के चलते विधायक की मृत्यु हुई है। उनके निधन की सूचना मिलते ही सोनभद्र सहित आसपास के इलाकों में शोक की लहर फैल गई है। दुद्धी विधानसभा अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित और आदिवासी बहुल क्षेत्र है। विजय सिंह गोंड को आदिवासी राजनीति का शिपतामहश माना जाता था। उन्होंने इस क्षेत्र का सात बार विधानसभा में प्रतिनिधित्व किया और आदिवासी समाज की समस्याओं को मजबूती से सदन तक पहुंचाया। वर्ष 2024 के उपचुनाव में उन्होंने भाजपा प्रत्याशी श्रवण गोंड को 3160 मतों से पराजित कर सीट अपने नाम की थी।

आपका वजन नॉर्मल है या नहीं? मिनटों में करें चेक और बीमारियों से रहें सुरक्षित

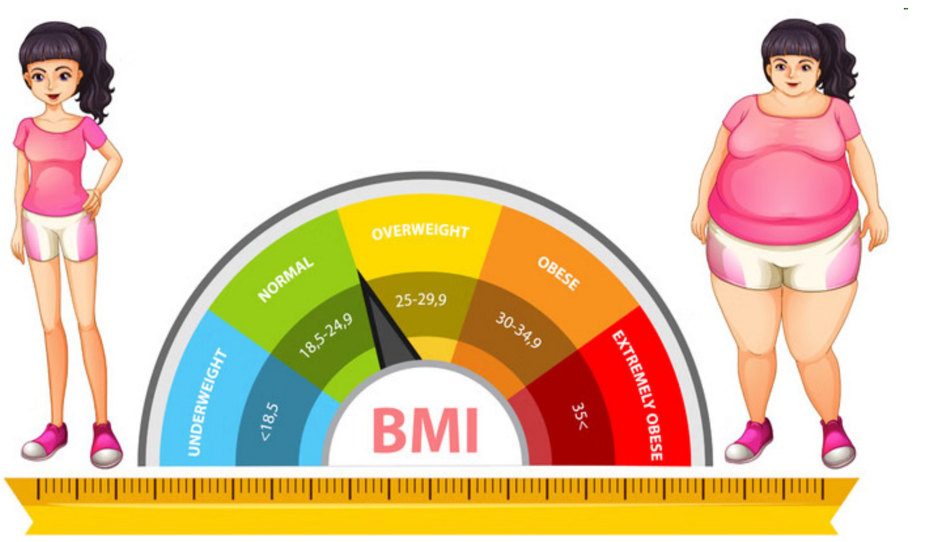

मोटापा या वजन अधिक होना, मौजूदा समय की सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक हैं। यह सिर्फ शरीर की बनावट में गड़बड़ी तक सीमित नहीं है, बल्कि कई गंभीर बीमारियों का खतरा भी बढ़ा देती है। डॉक्टर कहते हैं, जिन लोगों का वजन सामान्य से अधिक होता है उनमें दिल की बीमारी, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और जोड़ों की समस्याओं जैसे आर्थराइटिस का खतरा कई गुना अधिक हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बच्चों का बढ़ता वजन और भी गंभीर चिंता का विषय है। इसके कारण कम उम्र में ही क्रॉनिक बीमारियों का खतरा हो सकता है। गड़बड़ लाइफस्टाइल, जंक फूड्स खाना और मोबाइल-टीवी की लत के कारण बच्चों में मोटापा तेजी से बढ़ रहा है। बचपन का मोटापा आगे चलकर अगर युवावस्था और वयस्क उम्र में भी बना रहता है, तो इसके कारण कम उम्र में ही दिल और डायबिटीज जैसी बीमारियां हो सकती हैं। मसलन मोटापा गंभीर स्वास्थ्य चुनौती है। अपने वजन पर ध्यान देना और इसे कंट्रोल में रखना आपके लिए बहुत आवश्यक हो जाता है। क्या आप भी इसका शिकार हैं, क्या आप अपना वजन सही तरीके से माप रहे हैं?

वजन की जांच का क्या है सही तरीका?

वजन चेक करने के लिए बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) की जांच को कारगर तरीका माना जाता रहा है। पर हालिया अध्ययन में वैज्ञानिकों की टीम ने बताया है कि मोटापे के खतरे का पता लगाने में वेस्ट-टू-हाइट रेशियो (कमर की चौड़ाई और ऊंचाई का अनुपात) बीएमआई की तुलना में ज्यादा बेहतर हो सकता है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है मोटापा और मोटापे से जुड़ी बीमारियां भी बढ़ जाती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इसकी स्क्रीनिंग टूल के तौर पर कमर-से-ऊंचाई के अनुपात लेना अच्छा विकल्प हो सकता है। बीएमआई फैट और मसल मास के बीच फर्क नहीं करता, वहीं कमर-से-ऊंचाई का अनुपात विसरल फैट (पेट की चर्बी) को बेहतर तरीके से दशार्ता है। पेट की चर्बी बढ़ने को सेहत के लिए सबसे खतरनाक माना जाता रहा है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

शेफील्ड और नॉटिंघम यूनिवर्सिटी के इस अध्ययन में इंग्लैंड में 2005 से 2021 के बीच मोटापे के ट्रेंड का आकलन किया गया। शोधकताओं ने मोटापे को मापने का सबसे आम तरीके बीएमआई के साथ-साथ दूसरे तरीकों से भी जांच की, जिसमें कमर-से-ऊंचाई का अनुपात भी शामिल है। शोधकताओं ने पता लगाया कि क्या मोटापे के ट्रेंड मुख्य रूप से उम्र बढ़ने, पर्यावरणीय कारकों या पीढ़ीगत अंतर के कारण थे? शेफील्ड यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मेडिसिन एंड पॉपुलेशन हेल्थ में प्रोफेसर डॉ. लौरा ग्रे कहती हैं, बीएमाई एक बहुत ही जाना-माना और अच्छी तरह से समझा जाने वाला पैमाना है। हालांकि सभी के लिए फिट पैमाना हो ऐसा जरूरी नहीं है।

कैसे जानें आपका वजन ठीक है या नहीं?

शोधकताओं ने कहा, कमर और हाइट का रेशियो लोगों के लिए समझना और याद रखना आसान है। लोग मेजरिंग टेप से भी आसानी से अपना रिस्क चेक कर सकते हैं। अगर आपकी कमर की चौड़ाई आपकी हाइट के आधे से कम है, तो यह एक अच्छा संकेत है कि आपका वजन हेल्दी है। अगर ये बढ़ रहा है तो आपको सावधान हो जाना चाहिए। जिन लोगों के परिवार में पहले से किसी को मोटापा और इससे होने वाली बीमारियां रही हैं, उन्हें और ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है।

मोटापा घटाने वाली दवा की खोज

मोटापे घटाने वाले उपायों और कारगर दवाओं के लिए दुनियाभर के वैज्ञानिक लगातार अध्ययन कर रहे हैं। हाल ही में में प्रकाशित एक रिपोर्ट में हमने बताया था कि विशेषों ने इसके लिए एक असरदार दवा ढूंढ ली है। ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों की एक टीम ने एक ऐसी खोज दावा किया है जो न सिर्फ मोटापा घटाने में मदद करती है बल्कि ये उस तरह से शरीर में काम करती है कि आप लंबे समय तक इस समस्या से बचे रह सकें।

हल्दी में पीला और मेहंदी में हरा छोड़िए, शादी की रस्मों में शामिल करें ये नए रंग

अगर समय बदल गया है। ऐसे में अगर आपकी शादी होने वाली है तो पारंपरिक रंगों को छोड़कर आप अपनी शादी की रस्मों में नए रंगों को शामिल करें। कुछ ही दिनों में शादी का सीजन शुरू होने वाला है। ऐसे में अगर आपके घर में भी अगर शादी है तो आपने भी इसकी तैयारी शुरू कर दी होगी।

भारतीय शादी की हर रस्म में रंगों का खास महत्व होता है। पारंपरिक रूप से हल्दी में पीला, मेहंदी में हरा और शादी के समय लाल का बोलबाला रहता है। लेकिन अब फैशन और क्रिएटिविटी के चलते दुल्हन-दूल्हा और मेहमान नए रंग भी अपनाने लगे हैं। आज के समय में अब हल्दी, मेहंदी, संगीत और शादी जैसी रस्मों में सिर्फ पारंपरिक रंगों तक सीमित रहना जरूरी नहीं है। अलग-अलग रंगों का चयन कर आप हर रस्म को और खास बना सकते हैं। अगर आप पारंपरिक रंग से हटकर किसी अन्य रंग के कपड़ों का चयन करेंगे तो आपका लुक सबसे प्यारा और खूबसूरत दिखेगा। तो आइए आपको बताते हैं कि आप किस रस्म में किस रंग का आउटफिट कैरी कर सकती हैं।

हल्दी

वैसे तो हमेशा से ही हल्दी की रस्म में पीले रंग के कपड़े ही पहने जाते हैं। पर, अगर आप चाहें तो पीले रंग से हटकर कुछ और भी पहन सकते हैं। इसके लिए गुलाबी या फिर लैवेंडर रंग काफी प्यारा रहेगा। आजकल तो बहुत सी लड़कियों ने अपनी हल्दी की रस्म में सफेद रंग का आउटफिट भी कैरी किया है, जिसपर गुलाबी रंग का काम था।

मेहंदी

अब समय गया जब दुल्हनें अपनी मेहंदी की रस्म में हरे रंग का आउटफिट पहनना पसंद करती थीं। आज के समय में होने वाली दुल्हनें हरे रंग की जगह मिंट ग्रीन, पेस्टल ब्लू या फिर मैरून रंग का आउटफिट पहनना पसंद करती हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि मेहंदी लगे हाथों के साथ इन रंगों के आउटफिट खूब जचते हैं।

संगीत

वैसे तो संगीत के मौसम में ज्यादातर लोग मैट रंगों को कैरी करना पसंद करते हैं। इन रंगों में ब्लैक, व्हाइट, गोल्डन और सिल्वर शामिल है।

सर्फ 2000 रुपये में शुरू करें अपना खुद का बिजनेस, ये हैं 3 बेस्ट विकल्प

मेरे पास कम रुपये हैं तो भी क्या मैं अपना व्यापार शुरू कर सकता हूं? इस लेख में हम आपको इस सवाल का सही जवाब देंगे। बहुत से लोग सोचते हैं कि व्यवसाय शुरू करने के लिए बड़े निवेश की जरूरत होती है, लेकिन सच ये है कि छोटे बजट में भी आप अपना खुद का बिजनेस शुरू कर सकते हैं। अगर आपके पास सिर्फ 2000 रुपये हैं, तब भी आपके पास ऐसे कई विकल्प हैं, जिनमें निवेश कम और मुनाफा अच्छा हो सकता है। सुनने में अजीब लगा न लेकिन ये हकीकत है। दरअसल, इस लेख में हम आपको तीन आसान और पॉपुलर बिजनेस आइडिया बताएंगे जिन्हें आप कम पैसे में शुरू कर सकते हैं और धीरे-धीरे बड़ा बना सकते हैं। ये आइडिया खासतौर पर घर बैठे शुरू किए जा सकते हैं और इन्हें युवा और महिलाएं आसानी से संभाल सकती हैं। इसके लिए सही योजना और मार्केटिंग के साथ ये बिजनेस आपके लिए शानदार शुरूआत साबित हो सकते हैं। तो आइए आपको इस बारे सही जानकारी देते हैं।

1. मिनी गिफ्ट हैंपर

मिनी गिफ्ट हैंपर बनाना एक बहुत ही क्रिएटिव और कम निवेश वाला बिजनेस है। आप छोटे-छोटे

गिफ्ट पैक तैयार करके उन्हें दोस्तों, परिवार, ऑफिस या त्योहारों के लिए बेच सकते हैं। इसमें कैंडी, चॉकलेट, चाय-कॉफी पैकेट, नोटबुक, पेन, छोटे डेकोरेटिव आइटम और कस्टमाइज्ड गिफ्ट आइटम शामिल किए जा सकते हैं। शुरूआत में आप 2000 रुपये से जरूरी सामान जैसे बॉक्स, रैपिंग पेपर, रिबन, कैंडी और छोटे प्रोडक्ट्स खरीद सकते हैं।।

सोशल मीडिया पर अपने गिफ्ट हैंपर के फोटो पोस्ट करें और अपने नेटवर्क के माध्यम से बिक्री शुरू करें।

लोकल मार्केट या इवेंट्स में स्टॉल लगाकर भी ये बेच सकते हैं।

पैकेज को कस्टमर की पसंद के अनुसार पर्सनलाइज करना फायदा देगा और आपका बिजनेस जल्दी पहचान बनेगा।

2. बीड ज्वेलरी मेकिंग

बीड ज्वेलरी मेकिंग भी कम निवेश और क्रिएटिव बिजनेस के लिए बेहतरीन है। इसमें आप मोती, बीड्स, तार जैसे आइटम लेकर हेंडीक्राफ्ट ज्वेलरी बना सकते हैं। शुरूआत में इसकी मदद से आप कंगन, नेकलेस, ईयररिंग्स और ब्रासलेट्स तैयार करें। इस बिजनेस की सबसे बड़ी खासियत है कि इसमें निवेश कम है, क्रिएटिविटी ज्यादा काम आती है और आपका मुनाफा बहुत अच्छा हो सकता है।

इसे आप ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बेच सकते हैं।

लोकल मार्केट, स्कूल, कॉलेज और छोटे इवेंट्स में भी इसे बेचने का अच्छा मौका मिलता है

धीरे-धीरे आप कस्टमर के हिसाब से नए डिजाइन और थीम-आधारित ज्वेलरी भी बना सकते हैं।

3. कार्ड मेकिंग

कार्ड मेकिंग भी एक बहुत ही आसान और कम निवेश वाला बिजनेस है। इसमें हैंडमेड काड्र्स तैयार किए जाते हैं, जैसे जन्मदिन, शादी, एनिवर्सरी या त्योहारों के लिए स्पेशल कार्ड। इसके लिए आपको बस कागज, रंग, स्टिकर, रिबन, पेंसिल, मार्कर और क्रिएटिव आइडियाज की जरूरत है। अभी तो वैलेंटाइन्स डे आ रहा है, ऐसे में आपकी बिक्री काफी ज्यादा बढ़ जाएगी।। शुरूआत में छोटे पैकेट बनाएं और दोस्तों, परिवार और सोशल मीडिया के जरिए उन्हें बेचें।

आप इसे ऑर्डर-बेस्ड भी कर सकते हैं, यानी कस्टमर की पसंद और थीम के अनुसार कार्ड तैयार करें।

जान लीजिए दिल की सेहत का सीक्रेट, ये एक आदत 40% तक कम कर सकती है हार्ट अटैक का खतरा

कई अध्ययनों में यह बात सामने आ चुकी है कि नियमित रूप से टहलने वाले लोगों में हार्ट अटैक का खतरा करीब 30 से 40 प्रतिशत तक कम हो सकता है। दुनियाभर में जो बीमारियां इन दिनों सबसे बड़ी चिंता का कारण हैं और जिनके कारण स्वास्थ्य सेवाओं पर हर साल अतिरिक्त दबाव बढ़ता जा रहा है, हृदय रोग उनमें शीर्ष पर हैं। हृदय रोग, मौत का भी प्रमुख कारण हैं। हाल के वर्षों में युवाओं और बच्चों में भी इस बीमारी का खतरा तेजी से बढ़ता हुआ देखा गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लाइफस्टाइल और खान-पान की गड़बड़ी ने तो इस जानलेवा रोग का जोखिम बढ़ाया ही है साथ ही मौसम और पर्यावरणीय स्थितियों के कारण भी हार्ट अटैक जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। सर्दियों में हार्ट अटैक के मामले बढ़ जाते हैं, इन सभी जोखिम कारकों को समझते हुए सभी लोगों को अपने दिल की सेहत में सुधार के लिए निरंतर उपाय करते रहना चाहिए। अध्ययनों में पाया गया है कि नियमित रूप से हल्के स्तर के अभ्यास की आदत भी हृदय रोग की जटिलताओं को कम करने में आपके लिए सहायक हो सकती है।

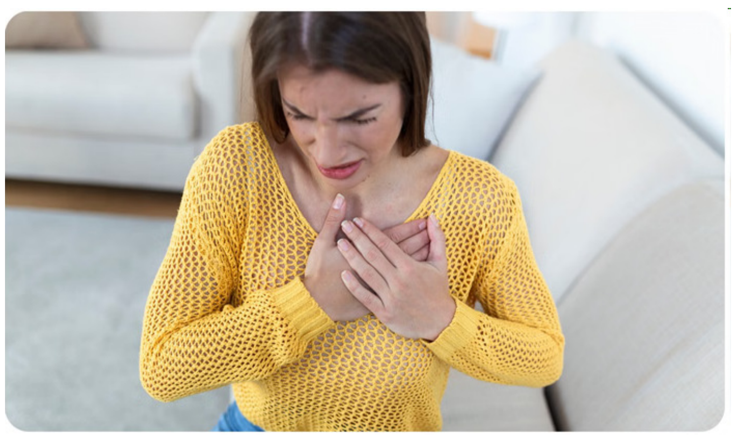

वैज्ञानिकों ने बताया कि अगर आप सिर्फ वॉक करने की ही आदत बना लें तो भी हृदय को काफी हद तक स्वस्थ रखने में मदद मिल सकती है। दिनभर में यदि 9000 कदम चलने का लक्ष्य पूरा कर लिया जाए तो इससे हार्ट-अटैक का खतरा 30-40 फीसदी तक कम हो सकता है।

रोजाना खूब चलें, दिल रहेगा स्वस्थ

जर्नल सकुर्लेशन में प्रकाशित अध्ययन में वैज्ञानिकों ने बताया कि रोजाना 6,000 से 9,000 कदम चलने वाले वयस्कों में दिल का दौरा या स्ट्रोक होने की आशंका 40-50 फीसदी तक कम होती है। आठ अध्ययनों के विश्लेषण में वैज्ञानिकों की टीम ने पाया कि अगर सिर्फ चलने की ही आदत को दिनचर्या में शामिल कर लिया जाए तो यह हृदय रोगों के कारण मौत के खतरे को काफी हद तक कम करने में सहायक हो सकती है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में बढ़ती शारीरिक निष्क्रियता काफी खतरनाक है, यह हृदय स्वास्थ्य के लिए गंभीर समस्याकारक हो सकती है। नियमित वॉक की आदत जरूर बनाएं।

वॉकिंग स्टेप्स बढ़ाइए, दिल को मजबूत बनाइए

18 साल से अधिक आयु के 20,152 प्रतिभागियों पर यह अध्ययन किया गया। इसमें पाया गया कि 60 वर्ष और उससे अधिक आयु अपने वॉकिंग स्टेप्स बढ़ाकर हृदय रोग (सीवीडी) का जोखिम कम कर सकते हैं। हालांकि इस अध्ययन में युवाओं में वॉक और सीवीडी के कम जोखिम के बीच संबंध के बारे में स्पष्ट नहीं है। शोधकर्ता कहते हैं, सीवीडी आमतौर पर उम्र बढ़ने के साथ होने वाली बीमारी है। उच्च रक्तचाप, मोटापा और मधुमेह जैसे जोखिम कारक इसके खतरे को और भी बढ़ा सकते हैं। ऐसे में अगर आप वॉक जैसे अभ्यास करते हैं तो हार्ट अटैक के खतरे से बच सकते हैं।

वॉक करना सेहत को ठीक रखने का कारगर फॉमूर्ला

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन सभी लोगों को दिन में 10,000 कदम चलने की सलाह देता है, इसे हृदय को स्वस्थ रखा जा सकता है। वॉक करने और हृदय स्वास्थ्य को लेकर पहले के अध्ययनों में भी बताया जाता रहा है। मार्च 2022 में द लैंसेट में प्रकाशित में बताया गया कि दिनचर्या में वॉक को शामिल करके कई प्रकार की बीमारियों के कारण समय से पहले मृत्यु के खतरे को कम किया जा सकता है। इसी तरह जामा इंटरनल मेडिसिन में प्रकाशित अध्ययन तेज गति से चलने की आदत आपकी सेहत के लिए बहुत लाभकारी हो सकती है।

वॉक करने के इन फायदों के बारे में भी जानिए

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, वॉक करना सिर्फ हृदय स्वास्थ्य ही नहीं पूरे शरीर के लिए कई प्रकार से लाभकारी हो सकता है। सभी उम्र के लोगों को दिनचर्या में इसे जरूर शामिल करना चाहिए।

वॉक करना वजन को स्वस्थ बनाए रखने और शरीर से फैट को कम करने में लाभकारी है। वॉक करना हृदय रोग, स्ट्रोक, उच्च रक्तचाप, कैंसर और टाइप-2 डायबिटीज के जोखिम को कम कर सकता है।

हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत करें।

ऊर्जा का स्तर को बढ़ाने में सहायक है।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, इससे तनाव-चिंता का जोखिम भी कम होता है।

बच्चे के जन्म के बाद यह एक गलती बिल्कुल नहीं करनी चाहिए

गाइनेकोलॉजिस्ट का कहना है कि बच्चे के जन्म के तुरंत बाद नई मां को एक बड़ी गलती से बचना चाहिए। अगर यह गलती हो जाए, तो आगे चलकर शरीर में कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं सामने आ सकती हैं। इसलिए डिलीवरी के बाद खुद का सही ख्याल रखना बेहद जरूरी है। डिलीवरी के बाद महिला का शरीर काफी कमजोर हो जाता है। इस दौरान सही पोषण, आराम और हल्की-फुल्की गतिविधियां करना बहुत जरूरी होता है ताकि शरीर जल्दी ठीक

हो सके। लेकिन कई नई मां अनजाने में एक गलती कर देती हैं, जो उनकी सेहत पर लंबे समय तक असर डाल सकती है।

डिलीवरी के बाद पूरी तरह बेडरेस्ट करना गलत है

डॉ. ने एक इंस्टाग्राम वीडियो में बताया कि पोस्टपार्टम के दौरान कई तरह के मिथक फैले हुए हैं। सी-सेक्शन या नॉर्मल डिलीवरी के बाद महिलाएं अक्सर सोचती हैं कि उन्हें पूरी तरह बिस्तर पर रहना चाहिए। लेकिन यह बिल्कुल सही नहीं है। बेहतर रिकवरी के लिए हल्की वॉक जरूरी डॉ. हैं कि बच्चे के जन्म के तुरंत बाद ज्यादा समय तक एक ही पोजिशन में लेटे रहने से मांसपेशियां अकड़ जाती हैं। इससे लंबे समय तक पीठ दर्द, हाथ-पैरों में दर्द और कमजोरी की समस्या बनी रहती है।

पैरों में खून का थक्का जमने का खतरा

एक्सपर्ट के अनुसार, प्रेग्नेंसी के दौरान खून में बदलाव होते हैं, जो डिलीवरी के बाद भी बने रहते हैं। अगर नई मां लंबे समय तक बिस्तर पर लेटी रहती हैं, तो उनके पैरों में खून का थक्का (ब्लड क्लॉट) बनने का खतरा बढ़ जाता है। यह एक गंभीर समस्या हो सकती है और समय पर ध्यान न दिया जाए तो स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकती है। डिलीवरी के बाद हल्की वॉक शुरू करें। लंबे समय तक एक ही पोजिशन में न रहें। मांसपेशियों की अकड़न को रोकने के लिए स्ट्रेचिंग और हल्की एक्सरसाइज करें। अपने डॉक्टर से हमेशा सलाह लेकर ही गतिविधियां बढ़ाएं। इस तरह छोटी सी सावधानी से नई मां दर्द, कमजोरी और गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बच सकती हैं और जल्दी ठीक हो सकती हैं।

बढ़ा हुआ ब्लड शुगर 7 दिन में होगा कंट्रोल, बस इन चीजों को शामिल करें

अक्सर लोग शुगर कंट्रोल के लिए सिर्फ दवाओं पर निर्भर रहते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि सही डाइट अपनाकर भी ब्लड शुगर को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। डायबिटीज में ब्लड शुगर लेवल जरूरत से ज्यादा बढ़ जाता है। अगर समय पर कंट्रोल न किया जाए तो यह हार्ट, किडनी, आंखें और नसों जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बन

सकता है। डाइटीशियन और टाइप-2 डायबिटीज एक्सपर्ट के अनुसार, कुछ खास फूड्स रोज खाने से शरीर इंसुलिन को बेहतर तरीके से इस्तेमाल करने लगता है और ब्लड शुगर में फर्क सिर्फ 7 दिनों में दिखाई देने लगता है।

आइए जानते हैं वो 7 असरदार फूड्स

भिंडी

भिंडी में बहुत सारा फाइबर होता है। यह खाने के बाद शुगर को धीरे-धीरे खून में जाने देती है, जिससे अचानक ब्लड शुगर बढ़ने का खतरा कम होता है। भिंडी इंसुलिन की कार्यक्षमता को बेहतर बनाती है, जिससे शरीर में इंसुलिन सही तरीके से काम करता है। इस्तेमालरू भिंडी की सब्जी, हल्की उबली भिंडी या भुजिया।

एवोकाडो

एवोकाडो में फाइबर और हेल्दी फैट दोनों होते हैं। ये पाचन प्रक्रिया को धीमा करते हैं और ब्लड शुगर को स्थिर बनाए रखते हैं। इपेट लंबे समय तक भरा रहता है, जिससे बार-बार भूख नहीं लगती और ओवरईटिंग से बचाव होता है। डायबिटीज मरीजों के लिए बेहतरीन फल।

मशरूम

मशरूम में काबोर्हाइड्रेट बहुत कम होते हैं और यह विटामिन, मिनरल, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर है। यह इंसुलिन रेजिस्टेंस कम करता है और शरीर में सूजन घटाता है। इसके सेवन से ब्लड शुगर कंट्रोल में रहता है।

टोफू

शाकाहारी या वीगन लोगों के लिए टोफू बेहतरीन प्रोटीन सोर्स है। यह मसल्स को मजबूत बनाता है और मजबूत मसल्स ग्लूकोज को बेहतर तरीके से यूज करती हैं। परिणामरू ब्लड शुगर संतुलित रहता है और इंसुलिन की जरूरत कम होती है।

ग्रीन टी

ग्रीन टी में कैटेचिन नामक तत्व होता है। यह शरीर में ग्लूकोज मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाता है और फैट बर्न करने में मदद करता है। वजन नियंत्रित रहता है और डायबिटीज मैनेज करना आसान हो जाता है। रोजाना 1/2 कप ग्रीन टी पीना लाभकारी।

फूलगोभी

फूलगोभी में सल्फोराफेन नामक तत्व होता है। यह शरीर में सूजन कम करता है और इंसुलिन को बेहतर तरीके से काम करने में मदद करता है। लो कैलोरी और लो कार्ब होने के कारण डायबिटीज मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद।

बाथरूम में घुसकर महिला से अभद्रता, 4 के खिलाफ एफआईआर

लखनऊ /आगरा (संवाददाता)। थाना सिकंदरा क्षेत्र में महिला से बाथरूम में अभद्रता, मारपीट और अपमानजनक व्यवहार का मामला सामने आया है। महिला अपनी मां की परिचित के यहां गई थी, इसी दौरान उसके साथ बदसलूकी हुई। पुलिस ने 4 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सिकंदरा क्षेत्र निवासी महिला ने पुलिस को बताया-वह 4 जनवरी को अपनी मां की एक परिचित महिला से मिलने राधिका विहार स्थित फ्लैट पर गई थी। बातचीत के दौरान वह बाथरूम यूज करने गई। इसी दौरान घर में मौजूद लोग जबरन बाथरूम में घुस आए और उसके साथ अभद्रता की।

टीम इंडिया में नहीं चुने गए सरफराज ने दिखाया दम, अभिषेक के ओवर में 30 रन बटोरे; सूर्यकुमार फ्लॉप

जयपुर (एजेंसी)। सरफराज ने पंजाब के कप्तान अभिषेक के एक ओवर में 6,4,6,4,6,4 लगाकर बाउंड्रीज की बरसात कर दी और 30 रन बटोरे। सरफराज ने साथ ही 15 गेंद में अर्धशतक भी जड़ा और 20 गेंद में सात चौके और पांच छक्के की मदद से 62 रन बनाकर आउट हुए। विजय हजारे ट्रॉफी के राउंड-सात में पंजाब के खिलाफ खेले गए मुकाबले में सरफराज खान ने अभिषेक शर्मा के एक ही ओवर में 30 रन बटोरे, लेकिन इसके बावजूद मुंबई को एक रन से हार झेलनी पड़ी। वहीं, भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव घरेलू टूनार्मेंट में भी फ्लॉप साबित हुए। शिवम दुबे का भी बल्ला नहीं चला। सरफराज ने अभिषेक की पिटाई की विजय हजारे ट्रॉफी में शानदार फॉर्म में चल रहे सरफराज को हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम चयन में अनदेखा किया गया था। हालांकि, उन्होंने अपने प्रदर्शन से चयनकताओं को करारा जवाब दिया। सरफराज ने पंजाब के कप्तान अभिषेक के एक ओवर में 6,4,6,4,6,4 लगाकर बाउंड्रीज की बरसात कर दी और 30 रन बटोरे। सरफराज के नाम सबसे तेज अर्धशतक सरफराज ने साथ ही 15 गेंद में

अर्धशतक भी जड़ा और 20 गेंद में सात चौके और पांच छक्के की मदद से 62 रन बनाकर आउट हुए। सरफराज के नाम विजय हजारे ट्रॉफी के इतिहास में सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड भी दर्ज हो गया। मुंबई के इस बल्लेबाज ने बड़ौदा के अतित शेठ का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्होंने 2020-21 में छत्तीसगढ़ के खिलाफ 16 गेंदों में अर्धशतक बनाया था। सूर्यकुमार और दुबे रहे फ्लॉप सरफराज ने तूफानी बल्लेबाजी कर टीम को जीत के करीब पहुंचाया, लेकिन आखिरी पलों में मैच हाथ से निकल गया। सरफराज के अलावा मुंबई कप्तान श्रेयस अय्यर ने 34 गेंद में चार चौके और दो छक्कों की मदद से 45 रन की पारी खेली। वहीं, जीत दिलाने की जिम्मेदारी पांचवें नंबर पर उतरे सूर्यकुमार यादव और छठे नंबर पर उतरे शिवम दुबे पर थी, लेकिन दोनों फेल रहे। सूर्यकुमार 15 रन और दुबे 12 रन बनाकर आउट हुए। पंजाब के 217 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए एक वक्त मुंबई का स्कोर चार विकेट पर 191 रन था। इसके बाद टीम 26.2 ओवर में 215 रन पर सिमट गई। टीम ने 25 रन बनाने में आखिरी छह विकेट गंवा दिए। मुंबई-पंजाब क्वार्टर फाइनल में पहुंचे मुंबई के खिलाफ मैच जीतकर पंजाब ने ग्रुप-सी पॉइंट्स टेबल में टॉप पर अपना स्थान पक्का किया। पंजाब के गेंदबाजों ने भी कमाल किया। गुरनूर बराड़ और मयंक मारकंडे ने चार-चार विकेट लिए, जबकि कृष भगत और हरनूर सिंह ने एक-एक विकेट झटके। दमदार गेंदबाजी की बदौलत पंजाब ने मुंबई को रोककर मैच अपने नाम किया। महत्वपूर्ण बात यह है कि पंजाब और मुंबई दोनों ने क्वार्टर-फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। कप्तान श्रेयस अय्यर अर्धशतक से चूके सरफराज के अलावा मुंबई कप्तान श्रेयस अय्यर ने 34 गेंद में चार चौके और दो छक्कों की मदद से 45 रन की पारी खेली। वहीं, जीत दिलाने की जिम्मेदारी पांचवें नंबर पर उतरे सूर्यकुमार यादव और छठे नंबर पर उतरे शिवम दुबे पर थी, लेकिन दोनों फेल रहे। सूर्यकुमार 15 रन और दुबे 12 रन बनाकर आउट हुए। पंजाब के 217 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए एक वक्त मुंबई का स्कोर चार विकेट पर 191 रन था। इसके बाद टीम 26.2 ओवर में 215 रन पर सिमट गई। टीम ने 25 रन बनाने में आखिरी छह विकेट गंवा दिए। अभिषेक शर्मा भी बल्ले से फ्लॉप रहे इससे पहले पंजाब ने 45.1 ओवर में 216 रन बनाए थे। कप्तान अभिषेक शर्मा फ्लॉप रहे और आठ रन बना सके। प्रभसिमरन सिंह 11 रन और नमन धीर 22 रन बनाकर आउट हुए। हरनूर सिंह खाता नहीं खोल सके। अनमोलप्रीत सिंह ने 75 गेंद में 57 रन और रमनदीप सिंह ने 74 गेंद में 72 रन की पारी खेली। कृष भगत खाता नहीं खोल सके। वहीं, हरप्रीत बराड़ 15 रन, सुखदीप बाजवा 17 रन और गुरनूर बराड़ एक रन बनाकर आउट हुए। मयंक मारकंडे पांच रन बनाकर नाबाद रहे। मुंबई के लिए मुशीर खान ने तीन विकेट लिए। वहीं, ओनकार तुकाराम तरमले और शिवम दुबे को दो-दो विकेट मिले। साइराज पटेल ने एक विकेट लिया।

इंग्लैंड ने विदाई मैच में ऑस्ट्रेलिया के ख्वाजा को दिया सम्मान, गॉर्ड ऑफ ऑनर देकर किया स्वागत

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने अपने करियर का आखिरी टेस्ट मैच खेला। इस दौरान इंग्लैंड के क्रिकेटरों ने उन्हें गॉर्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया। इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने एशेज सीरीज के पांचवें टेस्ट मैच के दौरान अपना विदाई मैच खेलने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को

बड़ा सम्मान दिया। इंग्लैंड टीम के इस व्यवहार की काफी प्रशंसा हो रही है और सभी लोग उनकी सराहना कर रहे हैं। पांचवें टेस्ट मैच के अंतिम दिन जैसे ही ख्वाजा बल्लेबाजी के लिए उतरे, इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने उन्हें गॉर्ड ऑफ ऑनर देकर उनका स्वागत किया और तालियां बजाकर ख्वाजा को सम्मान दिया। स्टीव स्मिथ के आउट होने के बाद ख्वाजा मैदान पर उतरे। ऑस्ट्रेलिया के लिए यह उनकी आखिरी पारी रही। ख्वाजा भी खुद को मिले इस सम्मान से अभिभूत हुए और उन्होंने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स से हाथ मिलाया। ख्वाजा ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि सिडनी टेस्ट उनके करियर का आखिरी मैच होगा। हालांकि, अपने विदाई टेस्ट मैच में ख्वाजा बड़ी पारी नहीं खेल सके और छह रन बनाकर आउट हुए। आउट होने के बाद जब ख्वाजा पवेलियन की ओर बढ़ रहे थे तो उन्होंने ग्राउंड को चूमा और दर्शकों का अभिवादन स्वीकार किया। ऑस्ट्रेलिया ने ख्वाजा को दी विजयी विदाई ख्वाजा के लिए अच्छी बात यह रही कि ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी टेस्ट मैच पांच विकेट से जीतकर पांच मैचों की एशेज सीरीज 4-1 से अपने नाम की। मैच के बाद ख्वाजा ने अपने करियर का आखिरी मैच जीतने और अपने साथियों के साथ जश्न मनाने का मौका मिलने पर आभार व्यक्त किया। ख्वाजा ने कहा, इसका बहुत महत्व है। इसमें बहुत मेहनत लगी है, बहुत लंबा समय लगा है। क्रिकेट का खेल कितना शानदार है यह तो कमाल की बात है। मेरी बस एक ही इच्छा थी, जीतना। एशेज का समापन जीत के साथ करना। इससे ज्यादा मुझे कुछ और नहीं चाहिए। हालांकि मैं मैदान पर जाकर रन बनाना और विजयी रन बनाना चाहता था, लेकिन मैं बस इस आखिरी जीत के लिए आभारी हूं और अपने साथियों के साथ जश्न मनाना चाहता हूं। किस तरह खुद पर रखा नियंत्रण? खुद पर नियंत्रण रखने के बारे में बात करते हुए ख्वाजा ने कहा, यह बहुत मुश्किल था।

बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ बाजार ; सेंसेक्स 780 अंक टूटा, निफ्टी 25900 के नीचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन यानी गुरुवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 780.18 अंक गिरकर 84,180.96 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 263.90 अंक गिरकर 25,876.85 अंक पर बंद हुआ। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को लाल निशान पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में व्यापक बिकवाली के दबाव के बीच संभावित अमेरिकी टैरिफ बढ़ोतरी को लेकर नई चिंताओं के चलते बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग 1 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई। विश्लेषकों का कहना है कि विदेशी निधियों की निरंतर निकासी के बीच धातु, तेल और गैस व कमोडिटी शेयरों में भारी नुकसान ने दबाव को और बढ़ा दिया है। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 780.18 अंक या 0.92 प्रतिशत गिरकर 84,180.96 अंक पर बंद हुआ। दिन के दौरान इसमें 851.04 अंक या 1 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 84,110.10 पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 263.90 अंक या 1.01 प्रतिशत गिरकर 25,876.85 पर बंद हुआ।अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 8 पैसे गिरकर 89.95 (अस्थायी) पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों का हाल सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से लार्सन एंड टुब्रो, टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील और ट्रेंट सबसे पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल थीं। दूसरी ओर, इटरनल, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज

फाइनेंस और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स को लाभ हुआ। ट्रंप ने दी 500 प्रतिशत तक टैरिफ बढ़ाने की धमकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक प्रतिबंध विधेयक का समर्थन किया है जो रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगा सकता है, जिससे व्हाइट हाउस को चीन और भारत जैसे देशों के खिलाफ दबाव बनाने का मौका मिलेगा ताकि उन्हें मॉस्को से सस्ता तेल खरीदने से रोका जा सके। अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने बुधवार को कहा कि यह कानून व्हाइट हाउस को चीन, भारत और ब्राजील जैसे देशों के खिलाफ जबरदस्त दबाव देगा ताकि उन्हें रूस से सस्ता तेल खरीदना बंद करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। अमेरिकी टैरिफ को लेकर चिंताओं ने डाला असर विनोद नायर, अनुसंधान प्रमुख, जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ को लेकर नई चिंताओं और लगातार विदेशी निवेश निवेशकों (एफआईआई) की निकासी के बीच सतर्कता का रुख अपनाने से घरेलू बाजारों में गिरावट जारी रही, जिससे आय वृद्धि को लेकर आशावाद धूमिल हो गया। यूरोपीय बाजारों में दिखी गिरावट एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक ऊंचा रहा, जबकि जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक नीचे बंद हुए। यूरोप के बाजारों में मामूली गिरावट देखी गई। बुधवार को अमेरिकी बाजार अधिकतर गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 60.42 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.75 प्रतिशत बढ़कर 60.42 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गया। बुधवार को सेंसेक्स 102.20 अंक या 0.12 प्रतिशत गिरकर 84,961.14 पर बंद हुआ। निफ्टी 37.95 अंक या 0.14 प्रतिशत गिरकर 26,140.75 पर आ गया।

बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ बाजार; सेंसेक्स 780 अंक टूटा, निफ्टी 25900 के नीचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन यानी गुरुवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 780.18 अंक गिरकर 84,180.96 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 263.90 अंक गिरकर 25,876.85 अंक पर बंद हुआ। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को लाल निशान पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में व्यापक बिकवाली के दबाव के बीच संभावित अमेरिकी टैरिफ बढ़ोतरी को लेकर नई चिंताओं के चलते बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग 1 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई। विश्लेषकों का कहना है कि विदेशी निधियों की निरंतर निकासी के बीच धातु, तेल और गैस व कमोडिटी शेयरों में भारी नुकसान ने दबाव को और बढ़ा दिया है। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 780.18 अंक या 0.92 प्रतिशत गिरकर 84,180.96 अंक पर बंद हुआ। दिन के दौरान इसमें 851.04 अंक या 1 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 84,110.10 पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 263.90 अंक या 1.01 प्रतिशत गिरकर 25,876.85 पर बंद हुआ।अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 8 पैसे गिरकर 89.95 (अस्थायी) पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों का हाल सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से लार्सन एंड टुब्रो, टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील और ट्रेंट सबसे पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल थीं। दूसरी ओर, इटरनल, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स को लाभ हुआ। ट्रंप ने दी 500 प्रतिशत तक टैरिफ बढ़ाने की धमकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक प्रतिबंध विधेयक का समर्थन किया है जो रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगा सकता है, जिससे व्हाइट हाउस को चीन और भारत जैसे देशों के खिलाफ दबाव बनाने का मौका मिलेगा ताकि उन्हें मॉस्को से सस्ता तेल खरीदने से रोका जा सके। अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने बुधवार को कहा कि यह कानून व्हाइट हाउस को चीन, भारत और ब्राजील जैसे देशों के खिलाफ जबरदस्त दबाव देगा ताकि उन्हें रूस से सस्ता तेल खरीदना बंद करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। अमेरिकी टैरिफ को लेकर चिंताओं ने डाला असर विनोद नायर, अनुसंधान प्रमुख, जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ को लेकर नई चिंताओं और लगातार विदेशी निवेश निवेशकों (एफआईआई) की निकासी के बीच सतर्कता का रुख अपनाने से घरेलू बाजारों में गिरावट जारी

रही, जिससे आय वृद्धि को लेकर आशावाद धूमिल हो गया। यूरोपीय बाजारों में दिखी गिरावट एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक ऊंचा रहा, जबकि जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक नीचे बंद हुए। यूरोप के बाजारों में मामूली गिरावट देखी गई। बुधवार को अमेरिकी बाजार अधिकतर गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 60.42 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.75 प्रतिशत बढ़कर 60.42 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गया। बुधवार को सेंसेक्स 102.20 अंक या 0.12 प्रतिशत गिरकर 84,961.14 पर बंद हुआ। निफ्टी 37.95 अंक या 0.14 प्रतिशत गिरकर 26,140.75 पर आ गया।

डब्ल्यूपीएल के पहले मैच में मुंबई इंडियंस का सामना आरसीबी से होगा, हरमनप्रीत-मंधाना होंगी आमने-सामने

मुंबई (एजेंसी)। गत चैंपियन मुंबई इंडियंस और आरसीबी के बीच शुक्रवार को मुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीमों के जीत के साथ सत्र की शुरूआत करना चाहेंगी। आइए जानते कि आप ये मुकाबला कब और कहां देख सकेंगे। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 की शुरूआत शुक्रवार से हो रही है। टूनार्मेंट के पहले मैच में दो बार की विजेता हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली मुंबई इंडियंस का सामना डब्ल्यूपीएल में एकमात्र अन्य खिताब जीतने वाली टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

(आरसीबी) से होगा जिसकी कमान स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना संभाल रही हैं। चौथी डब्ल्यूपीएल का आयोजन दो चरणों में नवी मुंबई और वडोदरा में किया जाएगा। इससे खिलाड़ियों को जून-जुलाई में इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों को परखने का भी मौका मिलेगा। कागजों पर मुंबई मजबूत कागजों पर देखा जाए तो मुंबई इंडियंस की टीम काफी मजबूत नजर आती है। उसके पास भारतीय कप्तान हरमनप्रीत के अलावा इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर ब्रंट और वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज जैसी अनुभवी खिलाड़ी भी हैं। मुंबई ने अपने अधिकतर खिलाड़ियों को टीम में बनाए रखा है और किसी भी टीम के लिए उसे हराना एक चुनौती होगी। न्यूजीलैंड की अमेलिया केर, ऑस्ट्रेलिया की मिली इलिंगवर्थ और भारत की भरोसेमंद अमनजोत कौर की मौजूदगी से उसकी बल्लेबाजी अधिक मजबूत हो गई है। शबनिम इस्माइल मुंबई के गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगी, जिसमें साइका इशाक भी शामिल हैं। आरसीबी की टीम में स्टार खिलाड़ियों की भरमार आरसीबी की बात करें तो उसके पास मंधाना के अलावा एलिस पेरी जैसी मंझी हुई खिलाड़ी है। इन दोनों पर टीम को अच्छी शुरूआत दिलाने का जिम्मा होगा। ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाज जॉर्जिया वोल, ऑलराउंडर ग्रेस हैरिस और दक्षिण अफ्रीका की जुझारू ऑलराउंडर नादिन डी क्लर्क बल्लेबाजी की जिम्मेदारी संभालेंगी। आरसीबी के पास ऋचा घोष के रूप में अदद विकेटकीपर और फिनिशर है। भारत की अरुंधति रेड्डी, पूजा वस्त्रकार और इंग्लैंड की लॉरेन बेल आरसीबी की प्रमुख तेज गेंदबाजों में शामिल हैं। उसके पास इंग्लैंड की लिन्से स्मिथ, भारत की राधा यादव और श्रेयांका पाटिल जैसी अच्छी स्पिन गेंदबाज भी हैं।

टी20 विश्व कप से पहले तिलक वर्मा चोटिल! न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से हो सकते हैं बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिलक वर्मा की पेट की चोट और संभावित सर्जरी ने भारत की टी20 विश्व कप तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। वह न्यूजीलैंड टी20 सीरीज से बाहर हो सकते हैं, जो विश्व कप से पहले भारत का अंतिम असाइनमेंट है। उनका फिट होना भारतीय टीम की रणनीति के लिए बेहद जरूरी माना जा रहा है। टीम इंडिया के युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को पेट में चोट लगी है, जिसके कारण उन्हें सर्जरी की सलाह दी गई है। इससे वे न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली महत्वपूर्ण

टी20 सीरीज से बाहर हो सकते हैं, जो 2026 टी20 विश्व कप से पहले आखिरी तैयारी का मौका था। यह चोट भारत की वर्ल्ड कप तैयारियों के लिए चिंताजनक मानी जा रही है। चकित करने वाली चोटः तिलक को पेट में दर्द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, 23 वर्षीय तिलक वर्मा विजय हजारे ट्रॉफी में हैदराबाद की ओर से खेल रहे थे, जब नाश्ते के बाद अचानक उन्हें पेट में तेज दर्द हुआ। स्थिति गंभीर होती देख उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। जांच में पता चला कि उन्हें एब्डॉमिनल चोट है और मेडिकल टीम ने सर्जरी की सलाह दी है। कितना समय रह सकते हैं बाहर? रिपोर्ट के मुताबिक, डॉक्टर्स ने तिलक को तीन से चार हफ्ते आराम की सलाह दी है। इसका मतलब है कि वह 21 जनवरी से शुरू होने वाली भारत-न्यूजीलैंड टी20 सीरीज से बाहर रह सकते हैं। यह सीरीज विश्व कप से पहले भारत का अंतिम असाइनमेंट है, इसलिए इस चोट का समय बेहद संवेदनशील है। टीम इंडिया की तैयारियों को झटका तिलक वर्मा पिछले एक साल में टीम इंडिया के टी20 सेटअप में एक अहम चेहरा बन चुके हैं। उनकी उपस्थिति मध्यक्रम में स्थिरता और बाएं हाथ का विकल्प देती है, जो वर्ल्ड कप के लिए जरूरी माना जा रहा था। ऐसे में उनका बाहर होना चयन और बैलेंस दोनों पर असर डाल सकता है। रिप्लेसमेंट की चर्चा, गिल की होगी वापसी? टीम प्रबंधन न्यूजीलैंड सीरीज के लिए रिप्लेसमेंट की घोषणा कर सकता है। हालांकि, सूत्रों के मुताबिक शुबमन गिल के रिप्लेसमेंट के रूप में चुने जाने की संभावना कम मानी जा रही है, क्योंकि उन्हें पहले ही टी20 विश्व कप टीम से बाहर रखा गया है। इंडियन एक्सप्रेस के सूत्रों के मुताबिक, रियान पराग टीम में शामिल होने के सबसे बड़े दावेदार हैं, बशर्ते वे अपने शोल्डर इंजरी से पूरी तरह उबर जाएं। एशिया कप में तिलक का रोल तिलक वर्मा ने एशिया कप 2025 में शानदार प्रदर्शन किया था। फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने 69* (53) की मैच-विजयी पारी खेलते हुए भारत को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। इसके बाद से वह भारत के टी20 सेटअप में एक भरोसेमंद बल्लेबाज माने जा रहे हैं।

सिंधू और सात्विक-चिराग की जोड़ी का शानदार प्रदर्शन, मलयेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

कुआलालंपुर (एजेंसी)। महिला एकल वर्ग में पीवी सिंधू और पुरुष युगल में सात्विक-चिराग की जोड़ी ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर मलयेशिया ओपन बैडमिंटन टूनार्मेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और सात्विकसाईराज रेंड्डी तथा चिराग शेट्टी की स्टार युगल जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मलयेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूनार्मेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली है। सिंधू ने महिला एकल वर्ग में

अपने से अधिक रैंकिंग वाली जापान की तोमोका मियाजाकी को हराया। वहीं, सात्विक-चिराग की पुरुष युगल जोड़ी ने मलयेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप को मात दी। इस बीच, पुरुष एकल वर्ग में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। सिंधू का सामना अब अकाने यामागुची से होगा चोट के कारण लंबे समय तक खेल से दूर रहने के बाद वापसी कर रहीं पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू ने आठवीं वरीयता प्राप्त मियाजाकी को 33 मिनट में 21-8, 21-13 से हराया। क्वार्टर फाइनल में सिंधू का मुकाबला तीसरी वरीयता प्राप्त जापानी खिलाड़ी अकाने यामागुची से होगा, जिन्होंने एक अन्य मैच में चीन की गाओ फांग जी को 21-11, 4-21, 21-17 से हराया।

बैटमोबाइल से लेकर प्राइवेट जेट तक, 525 करोड़ का नेमार का लग्जरी शो

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेमार ने मैदान पर वापसी के साथ-साथ मैदान के बाहर भी अपनी लाइफस्टाइल से चर्चा बटोरी। 525 करोड़ की लग्जरी फ्लीट, सांतोस के साथ कॉन्ट्रैक्ट एक्सटेंशन, और घुटने की सर्जरी, तीनों वजहों ने उन्हें फिर से सुर्खियों में ला दिया है। वे चोट से उबर रहे हैं और वर्ल्ड कप खेलने की उम्मीद भी जिंदा है। फुटबॉल सुपरस्टार नेमार एक बार फिर सुर्खियों में हैं और इस बार चर्चा में उनके मैदान से बाहर की जिंदगी है। हाल ही में उनका एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें उन्होंने अपनी

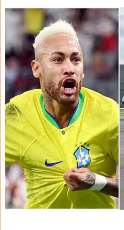

लगभग 525 करोड़ रुपये की लग्जरी फ्लीट दिखाते हुए दुनिया को चौंका दिया। इस फ्लीट में बैटमैन की 'द डार्क नाइट रिटर्न्स' वाली बैटमोबाइल की रेप्लिका (1.3 मिलियन यूरो), दसॉल्ट फाल्कन 900एलएक्स प्राइवेट जेट (40 मिलियन यूरो) और एयरबस एच145 हेलीकॉप्टर (8 मिलियन यूरो) शामिल हैं। वीडियो कथित तौर पर उनके रियो डी जेनेरियो स्थित मांगारातिबा वाले मेंशन में शूट किया गया। सांतोस में वापसी और कॉन्ट्रैक्ट नेमार ने अपना कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाते हुए 2026 के अंत तक सांतोस एफसी में बने रहने का फैसला किया है। सांतोस ने क्रुजेइरो के खिलाफ अपने आखिरी लीग मैच में 3-0 जीत दर्ज की सीरी-ए में अपने आप को बचाए रखा। यह वही क्लब है जिसे महान पेले ने वैश्विक पहचान दिलाई। सांतोस 2023 में इतिहास में पहली बार रेलेगेट हुआ था, वो भी पेले के निधन के एक साल के अंदर, लेकिन 2024-25 सीजन में नेमार की वापसी ने टीम के भाग्य को पलटने में अहम रोल निभाया। इंजरी, सर्जरी और भविष्य की उम्मीदें 33 वर्षीय नेमार हाल ही में बाएं घुटने की समस्या से जूझ रहे थे, जिसके चलते उन्होंने अर्थ्रोस्कोपी कराई। सर्जरी डॉक्टर रोड्रिगो लासमार ने की, जो ब्राजील टीम के साथ भी जुड़े हैं। नेमार कई मैच एसीएल इंजरी के कारण मिस कर चुके हैं।

डब्ल्यूपीएल के पहले मैच में मुंबई इंडियंस का सामना आरसीबी से होगा, हरमनप्रीत-मंधाना होंगी आमने-सामने

मुंबई (एजेंसी)। गत चैंपियन मुंबई इंडियंस और आरसीबी के बीच शुक्रवार को मुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीमों के जीत के साथ सत्र की शुरूआत करना चाहेंगी। आइए जानते कि आप ये मुकाबला कब और कहां देख सकेंगे। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 की शुरूआत शुक्रवार से हो रही है। टूनार्मेंट के पहले मैच में दो बार की विजेता हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली मुंबई इंडियंस का सामना डब्ल्यूपीएल में एकमात्र अन्य खिताब जीतने वाली टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा जिसकी कमान स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना संभाल रही हैं। चौथी डब्ल्यूपीएल का आयोजन दो चरणों में नवी मुंबई और वडोदरा में किया जाएगा। इससे खिलाड़ियों को जून-जुलाई में इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों को परखने का भी मौका मिलेगा। कागजों पर मुंबई मजबूत कागजों पर देखा जाए तो मुंबई इंडियंस की टीम काफी मजबूत नजर आती है।

सारा अर्जुन बनीं सबसे लोकप्रिय स्टार

थलापति विजय और प्रभास को छोड़ा पीछे; आईएमडीबी ने जारी की सूची

धुरंधर से सुर्खियों में आई अभिनेत्री सारा अर्जुन की लोकप्रियता दिन पर दिन बढ़ रही है। सारा ने अब लोकप्रियता के मामले में प्रभास और थलापति विजय जैसी हस्तियों को पीछे छोड़ दिया है। जानिए क्या है रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर रिलीज के एक महीने बाद भी बॉक्स ऑफिस पर जमी हुई है और शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म की सफलता से फिल्म के कलाकारों की भी लोकप्रियता में इजाफा हुआ है। सिर्फ रणवीर सिंह और अक्षय खन्ना ही नहीं बल्कि फिल्म की हीरोइन सारा अर्जुन को भी धुरंधर की सफलता से फायदा मिला है। तभी सारा इस हफ्ते आईएमडीबी की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में पहले स्थान पर पहुंच गई हैं। इस मामले में उन्होंने प्रभास और थलापति विजय जैसे कई बड़े दिग्गजों को पीछा छोड़ा है। दूसरे से पहले स्थान पर पहुंचीं सारा आईएमडीबी ने अपनी साप्ताहिक लोकप्रियता रैंकिंग जारी की। ये दुनिया भर के लाखों प्रशंसकों के पेज व्यू और यूजर एंगेजमेंट के आधार पर निर्धारित की जाती है। इस रैंकिंग में सारा अर्जुन, जो पिछले हफ्ते दूसरे स्थान पर थीं, इस बार शीर्ष पर पहुंच गईं। उन्होंने इस मामले में थलपति विजय, प्रभास और अगस्त्य नंदा सहित भारतीय सिनेमा के कुछ बड़े नामों को पीछे छोड़ दिया। उनकी इस सफलता का श्रेय काफी हद तक 'धुरंधर' को जाता है। आईएमडीबी ने दी जानकारी आईएमडीबी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा, ह्यइस सप्ताह की लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की सूची में अपने पसंदीदा सितारों को पहचानें। यह सूची 'पॉपुलर इंडियन सेलेब्रिटीज' द्वारा प्रस्तुत की गई है, जो आईएमडीबी का एक साप्ताहिक फीचर है और इसमें विश्व स्तर पर ट्रेंड कर रहे भारतीय सितारों को दिखाया जाता है। अभिनेता, निर्देशक, सिनेमैटोग्राफर, लेखक और अन्य। हमेशा की तरह यह सूची दुनिया भर के 2 करोड़ से अधिक फैंस द्वारा तय की जाती है। थलापति विजय आठवें और अगस्त्य नंदा 12वें स्थान पर रहे सारा के अलावा इस सूची में दूसरे नंबर पर धुरंधर के निर्देशक आदित्य धर रहे, जो पिछले हफ्ते तीसरे नंबर पर थे। हफ्ते के अन्य लोकप्रिय स्टार्स की लिस्ट में थलपति विजय आठवें स्थान और अगस्त्य नंदा 12वें स्थान पर रहे। इसके अलावा भाग्यश्री बोरसे 15वें, सिबी चक्रवर्ती 16वें, यामी गौतम 17वें, प्रभास 19वें और श्रीराम राघवन 22वें स्थान पर रहे। जबकि तारा सुतारिया 24वें, दिंजित अय्याथन 27वें, निविन 30वें और सिमर भाटिया 42वें स्थान पर रहीं।

द राजा साब के साथ प्रभास की हैट्रिक का तूफान

वायरल लीक ने रिलीज से पहले बनाया जबरदस्त माहौल

भारतीय सिनेमा की चमकदार दुनिया में एक नाम सबसे ऊपर है प्रभास। वे पैन-इंडिया सुपरस्टार हैं और दुनिया के बेहतरीन अभिनेताओं में से एक माने जाते हैं। कल, 9 जनवरी 2026 को, उनकी बहुप्रतीक्षित हॉरर-कॉमेडी फिल्म द राजा साब सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। यह अलग तरह की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ने और प्रभास की विरासत को और मजबूत

करने के लिए तैयार है। प्रभास ऐसे इकलौते भारतीय अभिनेता बन गए हैं जिनकी लगातार तीन फिल्में- सलार पार्ट 1- सीजफायर, कल्कि 2898 एडी और द राजा साब नॉर्थ अमेरिका में एडवांस बुकिंग में 1 मिलियन डॉलर से ज्यादा की कमाई कर चुकी हैं। यह उनकी जबरदस्त ग्लोबल लोकप्रियता को दिखाता है। हैदराबाद से लेकर हॉलीवुड तक फैंस तेजी से टिकट खरीद रहे हैं। फिल्म की रिलीज से पहले का क्रेज तब और बढ़ गया, जब एक बड़े डिस्ट्रीब्यूटर का लीक हुआ ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस ऑडियो में डिस्ट्रीब्यूटर ने प्रभास की जमकर तारीफ की और कहा कि रिबेल स्टार हर तरह की भूमिका में कमाल करते हैं। वे ऐसी कॉमेडी करते हैं कि लोग हंस-हंसकर लोटपोट हो जाते हैं, हॉरर और डरावने सीन में रोंगटे खड़े कर देते हैं और दमदार एक्शन से हीरोइज्म की नई मिसाल पेश करते हैं। इस लीक के बाद सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा शुरू हो गई है और बाहुबली स्टार की हैट्रिक को लेकर उम्मीदें और बढ़ गई हैं। प्रभास की मजबूत स्क्रीन प्रेजेंस के साथ यह फिल्म अब तक की उनकी सबसे अलग और बहुआयामी फिल्म मानी जा रही है, जो परिवार, थ्रिल पसंद करने वालों और एक्शन के शौकीनों- सबको पसंद आएगी। थिएटर हाउसफुल शो के लिए तैयार हैं और प्रभास के फैंस पहले से कहीं ज्यादा उत्साहित हैं। क्या द राजा साब वैसी ही बड़ी ओपनिंग देगी, जैसी उम्मीद की जा रही है? प्रभास के साथकृबिलकुल! कल राजा को देखिए, इतिहास बनने जा रहा है!

दिवंगत एक्टर राजेंद्र कुमार की पत्नी शुक्ला का निधन

इंडस्ट्री में शोक की लहर

मनोरंजन जगत से हाल ही में एक बेहद बुरी खबर सामने आ रही है। दिवंगत दिग्गज एक्टर राजेंद्र कुमार की पत्नी और एक्टर कुमार गौरव की मां अब इस दुनिया में नहीं रही। शुक्ला कुमार का निधन हो गया है। इस बात की पुष्टि कुमार गौरव के

परिवार की ओर से की गई है। उनके निधन की खबर आते ही फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। शुक्ला कुमार के निधन क्यों हुआ, इस बारे में अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है। रिपोर्ट के अनुसार, परिवार की ओर शुक्ला कुमार की आत्मा की शांति के लिए 10 जनवरी को प्रेयर मीट रखी गई है, जिसमें इंडस्ट्री के कई जाने-माने चेहरे उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए शामिल होंगे। बता दें, बॉलीवुड लीजेंड राजेंद्र कुमार का 12 जुलाई 1991 को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। तब वे 71 साल के थे और अब उनके करीब 35 साल बाद उनकी पत्नी शुक्ला कुमार का भी निधन हो गया है। शुक्ला का नाता सिर्फ सुपरस्टार के परिवार से ही नहीं, बल्कि पूरे फिल्मी जगत से जुड़ा हुआ था। वह फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े नाम रमेश बहल और श्याम बहल की बहन थीं। इस रिश्ते से वे गोल्डी बहल और रवि बहल की बुआ लगती थी। रिपोर्ट के मुताबिक, शुक्ला कुमार हमेशा लाइमलाइट से दूर रहती थीं, लेकिन परिवार के लिए उनकी भूमिका बेहद खास थी। वह राजेंद्र कुमार के करियर के हर उतार-चढ़ाव में चट्टान की तरह उनके साथ खड़ी रहीं। बता दें, शुक्ला कुमार और राजेंद्र कुमार के तीन बच्चे थे। एक बेटा और दो बेटियां। उनके बेटे कुमार गौरव ने फिल्मों में कदम रखा और अपनी अलग पहचान बनाई। वहीं, उनकी बेटी डिंपल की शादी हॉलीवुड फिल्म प्रोड्यूसर राजू पटेल से हुई जबकि दूसरी बेटी मनोरमा की शादी प्रोड्यूसर ओ.पी. रहलान से हुई।

राहु केतु ट्रेलर ने सोशल मीडिया पर मचाया धमाल

नेटिजन्स ने की पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा की तारीफ

राहु केतु का ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा शुरू हो गई है। फिल्म के मजेदार कॉन्सेप्ट, कॉमिक एनर्जी और खासतौर पर पुलकित सम्राट की परफॉर्मेंस को लेकर नेटिजन्स खुलकर तारीफ कर रहे हैं। ट्विटर (एक्स) से लेकर फैन फोरम्स तक, दर्शक ट्रेलर को एक फ्रेश और फील-गुड एंटरटेनर बता रहे हैं, वहीं पुलकित की नेचुरल चार्म और शानदार कॉमिक टाइमिंग की भी खूब सराहना हो रही है। ट्रेलर सामने आते ही फैंस ने सोशल प्लेटफॉर्म्स पर पॉजिटिव रिएक्शन्स की बाढ़ ला दी है। कई यूजर्स ने पुलकित सम्राट की उस एनर्जी की तारीफ की जो जानी-पहचानी होने के बावजूद फ्रेश लगती है। साथ ही वरुण शर्मा के साथ उनकी केमिस्ट्री को भी दर्शकों ने खास तौर पर सराहा। फन, एंटरटेनिंग और परफेक्ट लाफ राइड जैसे शब्द टाइमलाइन्स पर छाए हुए हैं। वहीं, लाइट-हार्टेड और कॉस्मिक कॉमेडी सेटअप में इस जोड़ी को फिर से साथ देखने को लेकर फैंस बेहद उत्साहित नजर आ रहे हैं। एक फैन जहां पुलकित की कॉमेडी को ईमानदार, एफर्टलेस और नेच्युरल कह रहे हैं, वहीं दूसरे फैन का कहना है कि राहु केतु काफी कलरफुल और मजेदार लग रही है, इस फिल्म में पुलकित एकदम कातिलाना लग रहे हैं। एक अन्य फैन ने लिखा है, आधा मनोरंजन तो पुलकित और वरुण को साथ में देखकर ही मिल जाता है। हम तो उन्हें देखने के लिए एक्साइटेड हैं। एक और यूजर ने लिखा है, ये मूवी फ्रेंड्स के साथ देखनेवाली लग रही है। स्पेशली पुलकित सम्राट जब कॉमेडी करते हैं, तो नेचुरली हंसी आ जाती है। एक अन्य फैन ने ट्रेलर के वाइब्स को बयां करते हुए लिखा है, पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा, दो भाई दोनों तबाही। वहीं, एक और ट्वीट में लिखा गया है ये ट्रेलर देखके मूड फ्रेश हो गया। पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा ने कमाल कर दिया।

एस. एस. राजामौली की वाराणसी को मिला दर्शकों का जबरदस्त प्यार, मेकर्स ने शेयर की झलक

एस. एस. राजामौली की आने वाली दमदार एक्शन-एडवेंचर फिल्म वाराणसी, जिसमें महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन नजर आएंगे, भारतीय सिनेमा की सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली फिल्मों में अपनी जगह पक्की कर चुकी है। फिल्म को लेकर उत्साह उस वक्त और बढ़ गया, जब मेकर्स ने रामोजी फिल्म

सिटी में आयोजित एक शानदार ग्लोब ट्रॉटर इवेंट में इसकी पहली झलक दिखाई। इस ग्रैंड रिवील को देखने के लिए 50,000 से ज्यादा फैंस की भारी भीड़ जुटी थी, जिसने इसे भारतीय एंटरटेनमेंट इतिहास की सबसे बड़ी लाइव फैन गैदरिंग्स में से एक ही नहीं, बल्कि देश का अब तक का सबसे बड़ा फिल्म रिवील बना दिया। भारत से बाहर भी वाराणसी ने अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करानी शुरू कर दी है। फिल्म का पहला ग्लिम्प्स पेरिस के ले ग्रैंड रेक्स में आयोजित ट्रेलर फेस्टिवल में दिखाया गया, जो यूरोप का सबसे बड़ा और ऐतिहासिक थिएटर माना जाता है, जहां दर्शकों का रिस्पॉन्स जबरदस्त रहा। जैसे ही स्क्रीन पर फुटेज चली, पूरा थिएटर तालियों, सीटियों और उत्साह भरे शोर से गूंज उठा, जिससे माहौल पूरी तरह से जोश से भर गया। बाद में दर्शकों ने अपने रिस्पॉन्स के जरिए फिल्म की जबरदस्त सोच और ग्रैंड विजुअल्स की खुलकर तारीफ की और फ्रांस में इसकी रिलीज देखने की इच्छा जताई। फिल्म का संगीत खास तौर पर लोगों को पसंद आया। साथ ही भारत की गहरी सांस्कृतिक विरासत को कहानी में पिरोने के लिए कई दर्शकों ने एस. एस. राजामौली की सराहना की, और कुछ ने तो उन्हें आज के दौर का शेक्सपीयर तक कह दिया। मेकर्स ने इस खास पल को कैमरे में कैद किया और सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा- पेरिस के ऐतिहासिक और यूरोप के सबसे बड़े थिएटर ले ग्रैंड रेक्स में हुए ट्रेलर फेस्टिवल में वाराणसी को दुनिया के सामने दिखाया गया, जहां हॉलीवुड और फ्रेंच फिल्मों के 30 से ज्यादा आने वाले ट्रेलर्स भी शामिल थे। फ्रांस, आप वाकई प्यार हो सच में। इसके अलावा वाराणसी में पृथ्वीराज सुकुमारन का कुंभा वाला पहला लुक और प्रियंका चोपड़ा जोनस का मंदाकिनी वाला जबरदस्त अंदाज पहले ही सामने आ गया है। इससे सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया और देशभर में उत्सुकता बढ़ गई है। अब दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि यह ग्रैंड फिल्म 2027 में बड़े पर्दे पर आने वाली है।

रणवीर से टकराएंगे यश, सोशल मीडिया पर भिड़े फैंस; बोले- इसे कच्चा खा जाएगी..

19 मार्च को रणवीर सिंह और टॉक्सिक फेम यश के बीच जबरदस्त टक्कर सिनेमाघरों में देखने को मिलेगी। लेकिन इससे पहले ही इन दोनों के फैंस आपस में सोशल मीडिया पर भिड़ चुके हैं। जानिए, क्या है इसका कारण? गुरुवार को साउथ सुपरस्टार यश का फर्स्ट लुक फिल्म टॉक्सिक से सामने आया। एक्टर का अंदाज देखकर उनके फैंस एक्साइटेड नजर आए। वहीं सोशल मीडिया पर रणवीर सिंह और यश के फैंस आपस में भिड़ गए। दरअसल, 19 मार्च को रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 रिलीज होगी, वहीं इस दिन यश की टॉक्सिक भी सिनेमाघरों में आएगी। कौन बॉक्स ऑफिस का किंग बनेगा, यह तो फिल्म रिलीज के बाद पता चलेगा। लेकिन इससे पहले ही रणवीर और यश के फैंस एक-दूसरे के पसंदीदा एक्टर, उनकी फिल्मों पर निशाना साध रहे हैं। जानिए, क्या हैं फैंस के रिएक्शन? धुरंधर 2 और टॉक्सिक पर फैंस ने दिए अलग-अलग रिएक्शन यश की फिल्म टॉक्सिक में उनका लुक, एक्शन देखकर फैंस दीवाने हो चुके हैं। लेकिन वहीं कुछ यूजर्स का कहना है कि टॉक्सिक सिनेमाघरों में धुरंधर का मुकाबला नहीं कर पाएगी। एक यूजर ने लिखा, टॉक्सिक के पास धुरंधर के सामने टिकने का कोई चांस नहीं है। धुरंधर 2 इसे कच्चा खा जाएगी। डर जाओ। कोई धुरंधर 2 का दीवाना नजर आया तो किसी यूजर ने टॉक्सिक को बॉक्स ऑफिस का किंग बता दिया। एक अन्य यूजर ने लिखा, टॉक्सिक, वो तूफान जो राज करेगा। यश का किलर लुक, बेरहम अंदाज बॉक्स ऑफिस पर धुरंधर 2 को खा जाएगा। टॉक्सिक मुकाबला करने नहीं आ रही, यह राज करने आ रही है। यश ट्रेंड्स को फॉलो नहीं करते, वह खुद एक स्टैंडर्ड सेट करते हैं। कुछ फैंस तो मानकर चल रहे हैं कि टॉक्सिक और यश ही फिल्म धुरंधर 2 को टक्कर दे सकते हैं। एक फैंस ने कमेंट करते हुए लिखा, यश की फिल्म टॉक्सिक को लेकर क्रेज अलग ही लेवल पर है। यह धुरंधर 2 को टक्कर देने और हराने के लिए काफी मजबूत फिल्म है। केजीएफ के तूफान के बाद यश उसी दीवानगी को फिर से लाने के लिए तैयार हैं। उनकी फिल्म टॉक्सिक के बज और यश की जबरदस्त फैन फॉलोइंग को देखते हुए, धुरंधर 2 जरूर पोस्टपोन होगी। क्योंकि यश के साथ मुकाबला करना कभी आसान नहीं होता। इस बात से कई फैंस सहमत नजर आए।

इंग्लैंड ने विदाई मैच में ऑस्ट्रेलिया के ख्वाजा को दिया सम्मान, गॉर्ड ऑफ ऑनर देकर किया स्वागत

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने अपने करियर का आखिरी टेस्ट मैच खेला। इस दौरान इंग्लैंड के क्रिकेटरों ने उन्हें गॉर्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया। इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने एशेज सीरीज के पांचवें टेस्ट मैच के दौरान अपना विदाई मैच खेलने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को बड़ा सम्मान दिया। इंग्लैंड टीम के इस व्यवहार की काफी प्रशंसा हो रही है और सभी लोग उनकी सराहना कर रहे हैं। पांचवें टेस्ट मैच के अंतिम दिन जैसे ही ख्वाजा बल्लेबाजी के लिए उतरे, इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने उन्हें गॉर्ड ऑफ ऑनर देकर उनका स्वागत किया और तालियां बजाकर ख्वाजा को सम्मान दिया। स्टीव स्मिथ के आउट होने के बाद ख्वाजा मैदान पर उतरे। ऑस्ट्रेलिया के लिए यह उनकी आखिरी पारी रही। ख्वाजा भी खुद को मिले इस सम्मान से अभिभूत हुए और उन्होंने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स से हाथ मिलाया। ख्वाजा ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि सिडनी टेस्ट उनके करियर का आखिरी मैच होगा। हालांकि, अपने विदाई टेस्ट मैच में ख्वाजा बड़ी पारी नहीं खेल सके और छह रन बनाकर आउट हुए। आउट होने के बाद जब ख्वाजा पवेलियन की ओर बढ़ रहे थे तो उन्होंने ग्राउंड को चूमा और दर्शकों का अभिवादन स्वीकार किया।

यमन संकट पर खाड़ी देशों में दरार

सऊदी अरब ने यूएई पर अलगाववादी नेता को भगाने का लगाया आरोप

दुबई (एजेंसी)। सऊदी अरब ने संयुक्त अरब अमीरात पर यमन के अलगाववादी नेता ऐदरूस अल-जुबैदी को भगाने का आरोप लगाया है। रियाद का दावा है कि देशद्रोह के आरोपी नेता को सोमालिया के रास्ते अबू धाबी ले जाया गया। इस घटना ने दोनों खाड़ी देशों के बीच कूटनीतिक तनाव बढ़ा दिया है। सऊदी अरब ने गुरुवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उसने यमन के एक अलगाववादी नेता को देश से बाहर निकालने में मदद की है। सऊदी अधिकारियों का दावा है कि देशद्रोह के आरोप में वांछित इस नेता को तस्करी के जरिये अबू धाबी ले जाया गया है। इस दावे पर यूएई की ओर से तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। इसने अरब प्रायद्वीप के इन दो पड़ोसी देशों के बीच तनाव को और बढ़ा दिया है, क्योंकि यमन में वर्षों से चल रहे युद्ध में उनकी साझेदारी खत्म हो रही है। सऊदी सेना ने लगाया आरोप सऊदी सेना के एक बयान में दावा किया गया कि सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल के नेता ऐदरूस अल-जुबैदी नाव से यमन से सोमालिया भाग गए। इसके बाद यूएई के अधिकारियों ने अल-जुबैदी को अमीरात की राजधानी अबू धाबी पहुंचाया। सेना ने यूएई के एक मेजर जनरल का नाम लिया, जो अल-जुबैदी के कथित भागने में शामिल थे। साथ ही उन्होंने उसका कोडनेम भी बताया, जो खाड़ी अरब देशों के आपसी रिश्तों की दुनिया में बहुत ही असामान्य बात है। इसमें यह भी बताया गया कि इस ऑपरेशन में इस्तेमाल किया गया इल्यूशिन क'-76 विमान पहले इथियोपिया, लीबिया और सोमालिया जैसे संघर्ष वाले इलाकों में इस्तेमाल किया गया था। ये वही रास्ते हैं जिन पर पहले अमीराती सेना पर हथियार तस्करी का आरोप लगा है। एसटीसी ने क्या कहा? हालांकि यूएई ने हमेशा इन आरोपों का खंडन किया है। इस मामले पर यूएई की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। एसटीसी ने भी तुरंत इस आरोप को स्वीकार नहीं किया। बुधवार को एसटीसी ने कहा कि अल-जुबैदी अदन में ही थे, जहां ईरान समर्थित हाउथी विद्रोहियों के खिलाफ गठबंधन वाली सेनाएं इकट्ठा थीं। ये सेनाएं तब से वहां हैं जब से विद्रोहियों ने यमन की राजधानी सना पर कब्जा किया था। सऊदी मीडिया ने छेड़ा अभियान उधर, सऊदी मीडिया ने इस घटना को लेकर एक व्यापक अभियान छेड़ दिया है। सऊदी समाचार चैनल 'अल अरबिया' ने कुछ फोन रिकॉर्डिंग प्रसारित कीं, जिनमें अल-जुबैदी के भागने की योजना का खुलासा करने का दावा किया गया। वहीं, सऊदी अरब के प्रमुख अंग्रेजी अखबार 'अरब न्यूज' ने पुराने पश्चिमी शैली के पोस्टर की तरह पहले पन्ने पर अल-जुबैदी की तस्वीर के साथ वांछित (वांटेड) शीर्षक छापा।

जस्टिस यशवंत वर्मा केस में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी, अदालत ने सुरक्षित रखा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा की उस याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है, जिसमें उन्होंने भ्रष्टाचार आरोपों की जांच के लिए गठित संसदीय समिति की वैधता को चुनौती दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में

सुप्रीम कोर्ट ने अहम कदम उठाते हुए संसदीय जांच समिति की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। इस मामले को लेकर न्यायपालिका और संसद के अधिकार क्षेत्र को लेकर गंभीर संवैधानिक सवाल खड़े हो गए हैं। सुप्रीम कोर्ट में क्या हुआ? जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एस.सी. शर्मा की पीठ ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। जस्टिस वर्मा की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी और सिद्धार्थ लूथरा ने दलील दी कि पूरी प्रक्रिया कानून के खिलाफ है। वहीं, केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने समिति के गठन को संवैधानिक ठहराया और कहा कि दोनों सदनों में प्रस्ताव स्वीकार होने के बाद संयुक्त जांच समिति बन सकती है। क्या है मामला? जस्टिस यशवंत वर्मा ने लोकसभा स्पीकर द्वारा गठित उस संसदीय जांच समिति को असंवैधानिक बताया है, जो उनके खिलाफ लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कर रही है। उनका तर्क है कि न्यायाधीश जांच अधिनियम, 1968 के तहत केवल लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा के सभापति ही मिलकर इस तरह की कार्रवाई शुरू कर सकते हैं। जांच की पृष्ठभूमि मार्च 2025 में नई दिल्ली स्थित जस्टिस वर्मा के सरकारी आवास से जले हुए नोट मिलने के बाद मामला तूल पकड़ गया था। इसके बाद उन्हें दिल्ली हाईकोर्ट से वापस इलाहाबाद हाईकोर्ट भेज दिया गया। तत्कालीन चीफ जस्टिस ने इन-हाउस जांच कराई, जिसमें जस्टिस वर्मा को दुराचार का दोषी पाया गया। रिपोर्ट राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेजी गई, जिससे महाभियोग की प्रक्रिया शुरू हुई। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने अगस्त 2025 में बहुदलीय प्रस्ताव स्वीकार कर तीन सदस्यीय जांच समिति बनाई।

वेनेजुएला-अमेरिका रिश्तों पर 'अद्वितीय धब्बा'

रोड्रिगेज ने वैश्विक आर्थिक जुड़ाव का दिया संदेश

काराकास (एजेंसी)। वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने अमेरिका के साथ संबंधों पर 'अद्वितीय धब्बा' बताया और वैश्विक आर्थिक सहयोग बढ़ाने की योजना की घोषणा की। वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने कहा कि अमेरिका के साथ देश के संबंधों पर अब तक का 'अद्वितीय धब्बा' लग चुका है। उन्होंने यह भी बताया कि बावजूद इसके, वेनेजुएला वैश्विक स्तर पर अपनी आर्थिक रणनीति को विविधता देने और बड़े बाजारों से सहयोग बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है। अमेरिका के बहिष्कार पर प्रतिक्रिया स्टेट टेलीविजन श्ळश पर लाइव संबोधन में रोड्रिगेज ने कहा

कि अमेरिका ने वेनेजुएला के खिलाफ 'बहिष्कार नीति' अपनाई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दोनों देशों के बीच आर्थिक और व्यापारिक संबंध असामान्य या असंगत नहीं हैं। उनके अनुसार, वेनेजुएला के निर्यात का 71% आठ देशों में जाता है, जिनमें से 25% अमेरिका को है। रोड्रिगेज ने कहा कि सार्वजनिक और निजी क्षेत्र दोनों को वैश्विक बाजारों में हिस्सेदारी का अवसर मिलेगा। उन्होंने घोषणा की कि वेनेजुएला में उत्पादों को देश का राजदूत बनाया जाएगा। इसके अलावा उन्होंने सामाजिक-आर्थिक अधिकारों पर नया कानून लाने, मूल्य निर्धारण और ऊर्जा उपयोग को नियंत्रित करने के लिए सुधार करने की योजना बताई। ऊर्जा और संसाधन पर जोर डेल्सी रोड्रिगेज ने कहा कि नारकोटिक्स के आरोप केवल बहाना थे और असली मकसद संसाधनों पर कब्जा करना था। उन्होंने अमेरिका सहित सभी देशों के साथ ऐसे ऊर्जा समझौतों की ओर खुलेपन की बात कही, जिससे सभी पक्षों को लाभ हो। उन्होंने राजनीतिक ध्रुवीकरण के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि सभी राजनीतिक ताकतों को एकजुट होकर देश की शांति और विकास के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि चरमपंथ और अतिवादी विचारधाराएँ देश के लिए खतरनाक हैं और इसलिए शांति और राष्ट्रीय सह-अस्तित्व के लिए कार्यक्रम लागू किए जाएंगे। संसदीय सुधार और कानून वेनेजुएला की नेशनल असेंबली ने नए विधान सत्र की शुरूआत की और छह प्राथमिक क्षेत्रों को निर्धारित किया, जिनमें शांति, आर्थिक विकास, नागरिक सुरक्षा और नए आर्थिक मॉडल शामिल हैं। संसद नए कानूनों को आठ प्रमुख कानूनी कोड में संकलित करने की योजना बना रही है, जिनमें सिविल, वाणिज्यिक, पर्यावरणीय और चुनावी कोड शामिल हैं। कुछ घंटे पहले, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला अपनी नई तेल व्यवस्था से प्राप्त आय से केवल अमेरिकी उत्पाद खरीदेगा। रोड्रिगेज ने हालांकि यह स्पष्ट किया कि वेनेजुएला का दृष्टिकोण संपूर्ण सहयोग और पारस्परिक लाभ पर आधारित है।

यमन संकट के बीच सुरक्षित भारत लौटी भारतीय युवती, सोकोत्रा द्वीप से रक्की गोपाल का सफल रेस्क्यू

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमन में बढ़ते संघर्ष के बीच सोकोत्रा द्वीप पर फंसी भारतीय नागरिक को सुरक्षित निकाला गया। भारतीय मिशन की मदद से जेद्दा होते हुए रक्की किशन गोपाल की भारत वापसी संभव हो पाई। यमन में बढ़ते राजनीतिक और सैन्य तनाव के बीच एक राहत भरी खबर सामने आई है। सोकोत्रा द्वीप पर पिछले कई हफ्तों से फंसी भारतीय नागरिक रक्की किशन गोपाल को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है और वे सकुशल भारत लौट आई हैं। यमन स्थित भारतीय मिशन ने जानकारी दी कि 7 जनवरी को एक विशेष यमनिया एयरलाइंस की उड़ान के जरिए उन्हें सोकोत्रा से सऊदी अरब के जेद्दा लाया गया। वहां भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों ने उन्हें रिसीव किया और इसके बाद उनकी भारत वापसी सुनिश्चित की गई। संघर्ष की वजह से फंसे थे लोग दरअसल, यमन के कई हिस्सों में हाल के दिनों में हालात बेहद खराब हो गए हैं। सऊदी अरब समर्थित सरकारी बलों और यूएई समर्थित सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल के बीच संघर्ष तेज हो गया है। इसी वजह से हवाई सेवाएं बाधित हुईं और सैकड़ों विदेशी नागरिक, खासकर पर्यटक, सोकोत्रा द्वीप पर फंस गए। भारत की त्वरित कूटनीतिक कार्रवाई भारतीय मिशन की यह कार्रवाई एक बार फिर यह दिखाती है कि संकट के समय भारत अपने नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। विदेश मंत्रालय और दूतावासों के समन्वय से समय रहते रेस्क्यू संभव हो पाया। यमन में हालात अभी भी नाजुक यमन में सत्ता संघर्ष, क्षेत्रीय तनाव और अलगाववादी आंदोलनों के चलते स्थिति अभी भी अस्थिर बनी हुई है। ऐसे में वहां मौजूद विदेशी नागरिकों के लिए जोखिम बरकरार है।

अमेरिकी ऑपरेशन में मारे गए वेनेजुएला के सैनिकों को भावपूर्ण विदाई, सात दिन का शोक घोषित

काराकास (एजेंसी)। वेनेजुएला में अमेरिकी ऑपरेशन में मारे गए सैनिकों के लिए राजधानी काराकास में सैनिक सम्मान के साथ अंतिम संस्कार हुआ। देश ने 7 दिन का शोक घोषित किया है। वेनेजुएला की सेना ने बुधवार को राजधानी

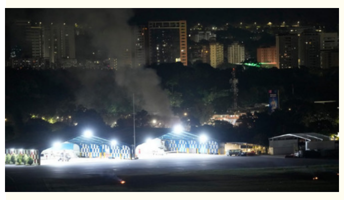

काराकास में उन सैनिकों के लिए एक भावपूर्ण अंतिम संस्कार आयोजित किया, जो हाल ही में हुए अमेरिकी सैन्य ऑपरेशन में मारे गए थे। इस अभियान में पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को कब्जे में लिया गया था, जिसके बाद देश में गहरा शोक और तनाव फैल गया है। सैनिक ऑर्केस्ट्रा की धुन के बीच शहीद सैनिकों के डंडे पर लेटे ताबूतों को वेनेजुएला का झंडा ढकता दिखाई दिया। परिवारों और सैनिकों ने उन शवों के पीछे चलकर आखिरी विदाई दी। कई अधिकारियों के बीच ताबूतों को जमीन में समर्पित करते समय गन सैल्यूट भी दिया गया। वेनेजुएला की सेना ने कहा है कि कम से कम 24 सुरक्षा अधिकारी इस ऑपरेशन में मारे गए, जिनमें कई उच्च रैंक के अधिकारी भी शामिल हैं। वहीं, क्यूबा ने भी पुष्टि की है कि 32 क्यूबाई सैन्य और पुलिस कर्मी जो वेनेजुएला में तैनात थे, उनकी भी मौत हुई। इस फैसले के बाद क्यूबा में भी दो दिनों का शोक मनाया गया। सात दिन का शोक घोषित शहीदों के सम्मान में कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने सात दिन का शोक घोषित किया है। उन्होंने कहा कि देश इन वीरों के बलिदान को कभी नहीं भूलेगा और उनके परिवारों के साथ खड़ा रहेगा। वेनेजुएला के अटॉर्नी जनरल तारेक विलियम साब ने कहा कि इन मौतों की जांच युद्ध अपराध के दायरे में की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गोलीबारी में हुई महिला की मौत पर बोले जेडी वेंस- 'यह महिला की अपनी गलती थी' प्रशासन आईसीई के साथ

वाशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने मिनियापोलिस में पुलिस कार्रवाई में मारी गई महिला की मौत के लिए उसी को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने आईसीई अधिकारियों का बचाव करते हुए कहा कि प्रशासन उनके साथ है। जेडी वेंस के इस बयान से शहर में तनाव और बढ़ गया है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने मिनियापोलिस में अप्रवासन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट (आईसीई) एजेंट की गोली से हुई 37 वर्षीय रेनी निकोल गुड की मौत को उसकी स्वयं की गलती का परिणाम बताया है। बुधवार को वेंस ने आईसीई अधिकारियों का समर्थन करते हुए साफ किया कि प्रशासन पर होने वाले हमले उन्हें कानून लागू करने से नहीं रोक पाएंगे। क्या बोले जेडी वेंस? सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में वेंस ने लिखा, मैं हर आईसीई अधिकारी को बताना चाहता हूं कि राष्ट्रपति और पूरा प्रशासन उनके साथ खड़ा है। उन्होंने अधिकारियों की निजी जानकारी लीक करने और उन्हें धमकाने वालों को चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसी हरकतों से कानून लागू करने का उनका इरादा और मजबूत होगा। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने सीधे तौर पर कहा कि भले ही यह एक त्रासदी है, लेकिन इसे उस महिला ने खुद ही पैदा किया था। इलाके में बढ़ा तनाव मामले में रेनी निकोल गुड और एक आईसीई एजेंट के बीच हुई झड़प

के दौरान हुई गोलीबारी में गुड की मौत हो गई, जिसके बाद से मिनियापोलिस में व्यापक आक्रोश और शोक के माहौल है। इस बीच जेडी वेंस की इन टिप्पणियों ने शहर में तनाव को और बढ़ा दिया है। घटना को लेकर मिनेसोटा की सीनेटर टीना स्मिथ ने पुष्टि की है कि मारी गई महिला, रेनी निकोल गुड, एक अमेरिकी नागरिक थी। वहीं, लेफ्टिनेंट गवर्नर पेगी फ्लैनगन के मुताबिक, गुड छह साल के एक बच्चे की मां थी। क्या बोले स्थानीय नेता? मामले में होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने आरोप लगाया कि गुड दिन भर अधिकारियों का पीछा कर रही थी और उनके काम में बाधा डाल रही थी। उसने गाड़ी को हथियार की तरह इस्तेमाल कर एजेंट को कुचलने की कोशिश की। नोएम के अनुसार, अधिकारी ने अपनी और साथियों की जान बचाने के लिए गोली चलाई। दूसरी ओर, मिनियापोलिस के मेयर जैकब फ्रे ने कहा कि यह स्थिति गणतंत्र की सहनशीलता की परीक्षा ले रही है। पुलिस प्रमुख ब्रायन ओ'हारा ने भी माना कि शहर का माहौल बेहद तनावपूर्ण हो गया है और पुलिस विभाग पूरी रात मुस्तैद रहेगा। वहीं गवर्नर टिम वाल्ज ने जरूरत पड़ने पर नेशनल गार्ड तैनात करने की बात कही है। स्कूल और गतिविधियां बंद शहर में सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए मिनियापोलिस के पब्लिक स्कूलों को हफ्ते के बाकी दिनों के लिए बंद कर दिया गया है। जिले की वेबसाइट पर जारी नोटिस के अनुसार, एहतियात के तौर पर 8 और 9 जनवरी को स्कूल बंद रहेंगे और खेलकूद सहित सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं। स्कूल अब सोमवार, 12 जनवरी को खुलेंगे।

बीएनपी नेता की गोली मार कर हत्या, बांग्लादेश में नहीं थम रही चुनाव से पहले हिंसा

ढाका (एजेंसी)। डेली स्टार की रिपोर्ट में मानवाधिकार संगठन के हवाले से 2025 में राजनीतिक हिंसा की कम से कम 401 घटनाओं के दर्ज होने का दावा किया गया है। इनमें 102 लोग मारे गए और 4,744 लोग घायल हुए। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार चुनाव की तारीख के एलान के बाद से राजनीतिक हिंसा में कम से कम छह लोग मारे गए हैं, जिनमें पिछले सात दिनों में तीन लोग शामिल हैं, और 250 अन्य घायल हुए हैं। बांग्लादेश में युवा नेता उस्मान हादी की हत्या के बाद से ही चुनाव पूर्व राजनीतिक हिंसा जारी है। बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) की स्वयंसेवी शाखा स्वेच्छासेवक दल के नेता अजीजुर रहमान मुसब्बीर की मंगलवार रात हत्या कर दी गई। पुलिस और पार्टी सूत्रों ने बताया कि राजधानी ढाका में अज्ञात हमलावरों ने मुसब्बीर की गोली मारकर हत्या कर दी। बांग्लादेश में आगामी 12 फरवरी को होने वाले राष्ट्रीय चुनावों से पहले हिंसा बढ़ने के चलते मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व

वाली अंतरिम सरकार पर सवाल खड़े हो रहे हैं। गौरतलब है कि उस्मान हादी के परिजनों ने भी यूनुस पर चुनावों को टालने के लिए उनकी हत्या का आरोप लगाया था। बांग्लादेश में राजनीतिक हिंसा का दौर द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार बीएनपी की स्वयंसेवी शाखा स्वेच्छासेवक दल के महासचिव मुसब्बीर को ढाका के कारवान बाजार स्थित सुपर स्टार होटल के पास रात करीब 8:30 बजे अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी। ढाका महानगर पुलिस (तेजगांव जोन) के अतिरिक्त उपायुक्त फजलुल करीम ने बताया कि उन्हें पंथापथ स्थित बीआरबी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां पहुंचते ही उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। वहीं, इस हमले में एक शख्स सुफियान मसूद घायल हो गया, जो तेजगांव थाना वन श्रमिक संघ के महासचिव हैं। पार्टी सदस्यों ने बताया कि मुसब्बीर ने शाम को सुपर स्टार होटल में शरीयतपुर के निवासियों के एक समूह के साथ एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

साल्ट लेक सिटी में मॉर्मन चर्च की पार्किंग में गोलीबारी, दो लोगों की मौत

कई घायल, हमलावर फरार

साल्ट लेक सिटी (एजेंसी)। आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका में बीते

साल गोलीबारी की कुल घटनाएं 425 दर्ज हुईं। इन घटनाओं में करीब 420 लोग मारे गए और 1,898 घायल हुए। यह संख्या पिछले कुछ वर्षों की तुलना में कम या स्थिर रही है। कहा जा सकता है कि 2025 में हालिया वर्षों के मुकाबले गोलीबारी की घटनाओं में कमी आई है। अमेरिका के यूटा की साल्ट लेक सिटी में एक चर्च के बाहर हुई गोलीबारी में बुधवार को दो लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। गोलीबारी की घटना द चर्च ऑफ जीसस क्राइस्ट ऑफ लैटर-डे सेंट्स (जिसे आमतौर पर मॉर्मन चर्च के नाम से जाना जाता है) के एक सभा भवन के पार्किंग स्थल में हुई। जानकारी के अनुसार जिस समय यह गोलीबारी की घटना हुई, उस समय अंदर एक अंतिम संस्कार हो रहा था। एपी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि अभी तक किसी भी संदिग्ध को हिरासत में नहीं लिया गया है। पुलिस ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि हमलावर का किसी विशेष धर्म के प्रति कोई द्वेष था। साल्ट लेक सिटी के पुलिस प्रमुख ब्रायन रेड ने कहा कि हमारा मानना है कि यह किसी धर्म या इस तरह की किसी भी चीज के खिलाफ लक्षित हमला नहीं था। पुलिस का मानना है कि गोलीबारी आकस्मिक नहीं थी। ब्रेनन मैकइंटायर ने बताया कि वह और उनकी पत्नी केन्ना पार्किंग स्थल के बगल में स्थित अपने अपार्टमेंट में टीवी देख रहे थे, तभी उन्होंने गोलियों की आवाज सुनी। वह सोफे से कूदकर बाहर भागे ताकि पता चल सके कि क्या हुआ है। मैकइंटायर ने कहा, 'जैसे ही मैं वहां पहुंचा, मैंने देखा कि कोई जमीन पर पड़ा है। लोग उसको देख रहे हैं और रो रहे हैं और आपस में बहस कर रहे हैं।'

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044
Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08
Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।